राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,२६मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -६२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक ऐसी ट्रेन जिसमें सिर्फ ड्राइवर और गार्ड, यात्री एक भी नहीं

गोरखपुर। थावे से छपरा कचहरी तक जाने वाली एक ऐसी अनारक्षित एक्सप्रेस ट्रेन जिसमें एक यात्री एक भी नहीं थे, बस ट्रेन के चालक, सहायक चालक और पीछे के डिब्बे में एक गार्ड। महज तीन लोगों के साथ थावे-छपरा कचहरी अनारक्षित पैसेंजर तीन घंटे में 103 किलोमीटर की यात्रा कर डाली। 21 मार्च को 10 जनरल बोगियों के साथ रवाना हुई उस ट्रेन को न तो थावे स्टेशन पर यात्री मिले और न ही रास्ते में पड़ने वाले 25 अन्य स्टेशनों पर। ट्रेन अपने निर्धारित समयानुसार हर स्टेशन पर रुकती और दिए गए स्टापेज के पूरा हो जाने के बाद चल देती। ट्रेन अपने निर्धारित समय रात 10 बजे छपरा कचहरी पहुंच गई लेकिन उसमें एक भी यात्री नहीं उतरे। उतरे तो सिर्फ गार्ड और दोनो चालक। बीते आठ मार्च से शुरू हुई अनारक्षित एक्सप्रेस ट्रेनों में किराया एक्सप्रेस के बराबर होने से शुरू से ही इस तरह की ट्रेनों में यात्रियों ने रुचि नहीं दिखाई। ट्रेनों में यात्रियों की संख्या जानने के लिए एनई रेलवे ने जब मंडलवार रिपोर्ट मांगी तो सामने आया कि वाराणसी मण्डल के थावे-छपरा रूट पर चलने वाली थावे-छपरा कचहरी अनारक्षित एक्सप्रेस की यात्री आक्यूपेंसी 21 मार्च की तारीख में शून्य थी जबकि उसमें कुल सीटों की संख्या 772 है। जबकि जौनपुर से औड़िहार जाने वाली ट्रेन की यात्री आक्यूपेंसी महज दो फीसदी थी। इसमें सीटों की संख्या 740 है और यात्रियों की संख्या महज 15 थी। वहीं गोरखपुर-सीवान पैसेंजर की 772 सीट क्षमता वाली ट्रेन मे 21 मार्च को महज 19 फीसदी यानी 143 यात्रियों ने ही यात्रा की।

22 मार्च तक महज 6 हजार ने की यात्रा

गोरखपुर से आठ मार्च से अनारक्षित एक्सप्रेस सेवा शुरू हुई। मसलन, सारी सुविधाएं पैसेंजर ट्रेन की लेकिन किराया और नाम एक्सप्रेस का। गोरखपुर से आठ मार्च को गोरखपुर-सीवान अनारक्षित एक्सप्रेस शुरू हुई और 13 मार्च से पांच ट्रेनें शुरू हो गईं।

मध्य प्रदेश के 7 शहरों में लगेगा हर रविवार को लॉकडाउन

,नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों से चिंतित प्रदेश सरकार ने चार और जिलों बैतूल, छिंदवाड़ा, रतलाम और खरगोन में रविवार को लॉकडाउन लागू करने का निर्णय लिया है। वहीं, राज्य के इंदौर, भोपाल और जबलपुर में हर रविवार को लॉकडाउन लागू करने का फैसला पहले ही किया जा चुका है। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद यह जानकारी भी दी। इसी के साथ अब राज्य के सात शहरों में शनिवार रात दस बजे शुरु होकर सोमवार सुबह छह बजे लॉकडाउन रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक कोविड-19 की रोकथाम के लिये 26,90,646 लोगों को टीका लगाया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में प्रतिदिन तीन लाख लोगों को टीका लगाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि अगले तीन माह में सभी लक्षित समूहों को टीका लगाया जा सके।

इन दो शहरों में गुरुवार से तगड़ी हो जाएंगी पाबंदियां

वहीं, भोपाल और इंदौर में गुरुवार से पाबंदियां और तगड़ी हो जाएंगी। सरकार ने इन दो शहरों में रेस्टोरेंट में खाना खाना, स्वीमिंग पूल, क्लब और सिनेमाघर को फिर से बंद करने का फैसला किया है। राज्य में रेस्टोरेंट 8 जून को, सिनेमाघर 16 अक्टूबर को और स्वीमिंग पूल 15 मार्च से खुले थे। स्वीमिंग पूल में केवल स्पोर्ट्स एक्टिविटी के लिए अनुमति मिली थी। दूसरी ओर सरकार ने भोपाल, इंदौर, जबलपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल, खरगोन और रतलाम में स्कूल कॉलेज पूरी तरह से बंद करने करने के निर्देश दिए हैं। सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन के मुताबिक जिन जिलों में हफ्ते में कोरोना के औसत 20 केस सामने आ रहे हैं वहां, किसी तरह की पाबंदी नहीं रहेगी।

बुधवार को मिले राज्य में 1712 नए मामले

मध्य प्रदेश में बुधवार को कोविड-19 के 1712 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 2,80,289 हो गयी। राज्य में पिछले 24 घंटे में इस बीमारी से प्रदेश में सात और व्यक्तियों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,919 हो गई है। यह जानकारी मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने दी है।

राहुल गांधी बोले

अब आरएसएस को संघ परिवार नहीं कहूंगा, कहा- फैमिली जैसे लक्षण नहीं

भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु के साथ हुए एक संवाद के दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि आरएसएस अपने द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों को इस्तेमाल विश्व के बारे में एक विशेष विचार को आगे बढ़ाती है जैसे पाकिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामी मदरसा करते हैं।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्सर निशाना साधने वाले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी गुरुवार को कहा कि अब वो आरएसएस संघ परिवार नहीं कहेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ट्वीट करते हुए कहा है 'मेरा मानना है कि RSS व सम्बंधित संगठन को संघ परिवार कहना सही नहीं- परिवार में महिलाएँ होती हैं, बुजुर्गों के लिए सम्मान होता, करुणा और स्नेह की भावना होती है- जो RSS में नहीं है। अब RSS को संघ परिवार नहीं कहूंगा! बता दें कि इस महीने की शुरुआत में अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरएसएस पर जमकर हमला बोला था। भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु के साथ हुए एक संवाद के दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि आरएसएस अपने द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों को इस्तेमाल विश्व के बारे में एक विशेष विचार को आगे बढ़ाती है जैसे पाकिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामी मदरसा करते हैं। मेरा मानना है कि RSS व सम्बंधित संगठन को संघ परिवार कहना सही नहीं- परिवार में महिलाएँ होती हैं, बुजुर्गों के लिए सम्मान होता, करुणा और स्नेह की भावना होती है- जो RSS में नहीं है। इससे पहले जनवरी के महीने में तमिलनाडु में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा का पैतृक संगठन तमिलनाडु का भविष्य तय नहीं कर सकता और इसका फैसला राज्य की जनता एवं इसके युवा करेंगे। इससे पहले भी कई मौकों पर राहुल गांधी आरएसएस को निशाना बनाते रहे हैं और केंद्र सरकार पर हमला बोलते रहे हैं।

मेट्रो मैन श्रीधरन को भरोसा, केरल में बहुमत से सत्ता में आएगी बीजेपी या बनेगी किंगमेकर

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ऐड़ी चोटी का जोर लगा रही है। यहां हर कोई किसको कितनी सीटें मिलेंगी इसका गणित लगाने में जुटा है। हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए मेट्रो रेल सहित पूरे भारत में कई प्रमुख परियोजनाओं को लागू करने वाले टेक्नोक्रेट, मेट्रोमैन ई श्रीधरन का मानना है कि केरल में भारतीय जनता पार्टी का भाग्य बदल सकता है। उन्होंने कहा कि केरल में या तो पार्टी के पास पूर्ण बहुमत होगा या किंगमेकर बनने लायक पर्याप्त संख्या में सीटें। केरल विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के दौरान एएनआई के साथ बातचीत करते हुए, श्रीधरन ने भरोसा दिखाया कि वह पलक्कड़ विधानसभा क्षेत्र जीतने जा रहे हैं। श्रीधरन ने एएनआई को बताया, मुझे लगता है कि भाजपा के पास केरल में सीटें जीतने की बहुत अच्छी संभावनाएं हैं। केरल में या तो पार्टी के पास पूर्ण बहुमत होगा या किंगमेकर बनने लायक पर्याप्त संख्या में सीटें। पलक्कड़ के मालमपुझा में गृह मंत्री अमित शाह के रोड शो का हिस्सा रहे श्रीधरन ने इस कार्यक्रम को शानदार बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सरकारों द्वारा लोगों के मनोबल पर इसका जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। लोग भाजपा को वोट देंगे।' 'मेट्रोमैन' के नाम से जाने जाने वाले श्रीधरन ने कहा कि टेक्नोक्रेट के रूप में काम करना एक राजनेता के रूप में काम करने से अलग है और अगर वह चुने जाते हैं तो वह राज्य के लिए बहुत उपयोगी होंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह केरल में उद्योगों को लाने के लिए काम करेंगे। ÷आज केरल में शायद ही कोई उद्योग है। केवल उद्योग ही राज्य में कैपिटल ला सकते हैं। रोजगार सृजन आवश्यक है क्योंकि केरल में सबसे अधिक बेरोजगार युवा हैं। मैं शिक्षा प्रणाली के स्तर को ऊपर उठाने की कोशिश करूंगा। मैं एक पारदर्शिता लाने के लिए काम करूंगा।

सांसद नवनीत राणा ने 3100 जोड़ों संग की थी सामूहिक समारोह में शादी

नई दिल्ली। महिला सांसद नवनीत राणा इन दिनों खूब चर्चा में है। पिछले साल निर्दलीय चुनाव लड़कर सांसद बनी नवनीत की लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। बता दें कि नवनीत की शादी महाराष्ट्र में विधायक रवि राणा के साथ हो चुकी है। दोनों की पहली मुलाकात बाबा रामदेव के आश्रम में हुई थी। दोनों ने साल 2011 में सामूहिक शादी समारोह में शादी भी कर ली थी। नवनीत के पति रवि राणा महाराष्ट्र के बदनेरा से विधायक हैं। 2019 में हुए आम चुनावों में इन्होंने शिव सेना कें कैंडिडेट को हराया था।

रवि राणा का जीवन-रवि राणा अमरावती के शंकरनगर के रहने वालें हैं। उन्होंने अमरावती के कॉलेज से ही साल 2000 में कॉमर्स में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। रवि ने तमिल पंजाबी और हिंदी फिल्मों में काम करने वाली नवनीत राणा से शादी की, जो अब बाद में अमरावती से सांसद हैं। इनकी शादी का किस्सा बड़ा ही मजेदार है, बाबा रामदेव के आश्रम में मिले जोड़े ने सामूहिक शादी समारोह में शादी की थी जिसमें 3100

दोनों पति पत्नी अक्सर एक साथ काम करते हुए देखे जाते हैं।

जोड़े शामिल हुए थे। इनकी शादी में बाबा रामदेव, तत्काल मुख्यमंत्री पृथ्वीराज च्वाहण शामिल हुए थे। साल 2015 में रवि राणा एक बार चर्चा में आए थे जब उन्होंने एक 82 साल के बाल काटने वाले बजुर्ग की दुकान को बचाया था। बुजर्ग अपने परिवार में कमाने वाला एक लौता शख्स था, अवैध निर्माण को लेकर बुजुर्ग की दुकान पर नोटिस लगा था, जिसके बाद वह रवि राना के पास मदद की गुहार लेकर गया और राणा ने उसकी दुकान बचा ली।

दोनों साथ करते हैं काम-दोनों पति पत्नी अक्सर एक साथ काम करते हुए देखे जाते हैं। लॉकडाउन के दौरान मजदूरों और गरीबों में दोनों ने मिलकर खाना और जरूरत का सामान बांटा था, जिसके बाद इन्हें लू लग गई थी और अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी दोनों एक दूसरे की पोस्ट शेयर करते हुए दिख जाते हैं।

नवनीत राणा की हिस्ट्री-मुंबई में पैदा हुई राणा ने 12वीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग शुरू कर दी थी। मॉडलिंग और पढ़ाई करते हुए नवनीत ने मराठीस पंजाबी, तेलुगू, हिंदी और अंग्रेजी भाषा पर अपनी पकड़ बनाई। फिल्मों करियर बनाने वाली नवनीत तेलुगू, कन्नड़, हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

बीएल मीणा शिया वक्फ बोर्ड के प्रशासक पद से हटे, अगले महीने होंगे चुनाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव बीएल मीणा को उत्तर प्रदेश शिया सेण्ट्रल वक्फ बोर्ड का प्रशासक बनाने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। बोर्ड में अगले महीने चुनाव करवाए जाएंगे। बीती 16 मार्च पहले श्री मीणा को शिया वक्फ बोर्ड का प्रशासक बनाया गया था। प्रदेश सरकार के इस फैसले को हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ में चुनौती दी गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार ने मीणा को बोर्ड के प्रशासक पद से हटाते हुए अप्रैल के महीने में चुनाव करवाने का निर्णय लिया है। 18 मार्च को इस याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने प्रदेश सरकार से पूछा था कि उपरोक्त निर्णय किस प्रावधान के तहत किया गया। अदालत ने बोर्ड में जल्द चुनाव करवाने का भी आदेश दिया था। अदालत ने इस आदेश के

अनुपालन की रिपोर्ट 25 मार्च को तलब की है। पिछली साल जनवरी 2020 को वसीम रिजवी का कार्यकाल खत्म होने के बाद से शिया वक्फ बोर्ड में चेयरमैन और सदस्यों के पद खाली चल रहे हैं।

तेल के नए उत्पादक देश से भारत आई पहली खेप, ओपेक देशों को बड़ा झटका देने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत पहली बार दक्षिण अमेरिका से कच्चे तेल खरीद रहा है। भारत दुनिया का ऐसा तीसरा सबसे बड़ा देश है जो इतनी बड़ी मात्रा में कच्चे तेल को आयात करता है। बता दें कि भारत ने पहली बार दक्षिणी अमेरिका के देश गुयाना से कच्चा तेल खरीदा है। 8 अप्रैल को इसकी पहली खेप भारत आएगी। जानकारी मिली है कि यह खेप गुजरात के मुंद्रा पोर्ट आएगी। भारत के इस फैसले से ओपेक देशों को बड़ा झटका लग सकता है। इससे पहले भारत अपने तेल की आपूर्ति का बड़ा मध्य पूर्व के देशों से आयात करता आया है। भारत ने तेल रिफाइनिंग कंपनियों से कहा है कि वे मध्य पूर्व देशों से तेल के आयात को कम कर दें और दूसरे क्रूड उत्पादकों से

8 अप्रैल को इसकी पहली खेप भारत आएगी। जानकारी मिली है कि यह खेप गुजरात के मुंद्रा पोर्ट आएगी। भारत के इस फैसले से ओपेक देशों को बड़ा झटका लग सकता है। इससे पहले भारत अपने तेल की आपूर्ति का बड़ा मध्य पूर्व के देशों से आयात करता आया है।

अपनी खरीद को बढ़ाएं। ओपेक प्लस ने फैसला किया है कि इस महीने अप्रैल तक वह कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती करेगा। तेल निर्यातकों के संगठन पर भारत अपनी निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रहा है। बीते समय में सऊदी अरब सहित कई देशों ने तेल उत्पाद को बढ़ाने से इनकार कर दिया था. बता दें कि भारत अपनी कुल जरूरत का 84 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें 60 प्रतिशत मध्य पूर्व से आता था। चूंकि टिलर-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, गुयाना ने 2020 की शुरुआत में कच्चे तेल का निर्यात शुरू किया था। इसलिए इसका तेल मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, पनामा और कैरिबियन में प्रवाहित हुआ है। रूस, उत्तरी अमेरिकी उत्पादकों के अलावा कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और मैक्सिको ने भारत को भारी क्रूड ग्रेड बेचकर बाजार में हिस्सेदारी हासिल की है। बता दें कि भारत सऊदी अरब समेत मध्य पूर्व के कई देशों से कच्चे तेल की निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। अप्रैल 2020 से लेकर जनवरी 2021 तक भारत के तेल आयात में ओपेक ही हिस्सेदारी में बड़ी गिरावट आई है।

कोरोना वैक्सीन का एक्सपोर्ट रोक कर भारत में वैक्सीनेशन तेज करेगी सरकार, केसों की रफ्तार ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के केसों में तेजी से इजाफा होने के चलते भारत सरकार ने वैक्सीनेशन के अभियान को तेज करने का फैसला लिया है। 1 अप्रैल से 45 साल से अधिक आयु के सभी लोगों का टीकाकरण किया जाना है। इसके बाद जल्दी ही अन्य लोगों का नंबर आ सकता है। इसके अलावा सरकार अब कोरोना वैक्सीन का एक्सपोर्ट नहीं करेगी ताकि तेजी से देश में टीकाकरण हो सके। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने नाम उजागर ने करने की शर्त पर कहा कि एक्सपोर्ट पर किसी तरह का बैन नहीं होगा, लेकिन घरेलू जरूरतों को पूरा करने के बाद ही दूसरे देशों को वैक्सीन की सप्लाई की जाएगी। इसके अलावा भविष्य में टीकों के तेजी से उत्पादन पर भी एक्सपोर्ट का फैसला निर्भर करेगा।

एक सूत्र ने कहा, हमने दुनिया भर के देशों को कोरोना वैक्सीन की कॉर्मशियल सप्लाई की है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे। दूसरे देशों से हुई सभी कॉमर्शियल डील्स और एक्सपोर्ट कमिटमेंट्स का सम्मान किया जाएगा। फिलहाल सरकार की प्राथमिकता देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन किए जाने की है। भारत में आने वाले दिनों में वैक्सीन के उत्पादन में इजाफा होगा। इसके अलावा कुछ और टीकों के इमरजेंसी में इस्तेमाल को मंजूरी दी जा

सकती है। ऐसी स्थिति में करीब दो महीने बाद सरकार की ओर एक्सपोर्ट के फैसले को लेकर समीक्षा की जाएगी।

क्यों एक्सपोर्ट में कमी लाने का सरकार ने लिया फैसला

वैक्सीन के एक्सपोर्ट में कमी लाने के पीछे कई फैक्टर हैं। इसकी एक वजह यह है कि फरवरी के मध्य के बाद से कोरोना के केसों में तेजी से इजाफा हुआ है। इसके अलावा 1 अप्रैल से 45 साल से अधिक आयु के सभी लोगों का टीकाकरण किए जाने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा डबल म्युटेशन वायरस के तेज उभार ने भी संकट को बढ़ावा दिया है। देश में फिलहाल कोरोना केसों की संख्या 1.17 करोड़ के पार पहुंच गई है। फिलहाल एक्टिव केसों की संख्या 4 लाख के करीब है। बुधवार को देश भर में 53 हजार से ज्यादा कोरोना केस सामने आए हैं। अकेले मुंबई में ही 5,190 नए केस मिले हैं। अमेरिका और ब्राजील के बाद कोरोना संक्रमण के मामले में भारत तीसरे स्थान पर है।

वैक्सीन मैन्युफैक्चरर्स भी बोले, पहले भारत को देंगे प्राथमिकता

वैक्सीन मैन्युफैक्चरर्स ने भी इस बात के संकेत दिए हैं कि पहले घरेलू जरूरतों को ही पूरा करने पर फोकस है। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने 21 फरवरी को ट्वीट किया था, प्रिय देशों और सरकारों। आप सभी को कोविशील्ड वैक्सीन की सप्लाई का इंतजार है, लेकिन थोड़ा धैर्य बनाए रखें। सीरम इंस्टिट्यूट पहले भारत की बड़ी जरूरत पर फोकस कर रहा है। इसके साथ ही बाकी दुनिया की जरूरतों का भी ध्यान रख रहे हैं। हम अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

दुनिया भर के देशों को की 60 मिलियन डोज की सप्लाई

अब तक भारत की ओर से दुनिया के कई देशों को कोरोना वैक्सीन की 60 मिलियन डोज की सप्लाई कर चुकी है। इनमें से 8.5 मिलियन डोज मदद के तौर पर दी गई हैं, जबकि 34 मिलियन डोज की सप्लाई कॉमर्शियल तौर पर की गई है। विदेश मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक आखिरी बार 18 मार्च को नामीबिया और बोलिविया को 18 मार्च को वैक्सीन भेजी गई थीं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोरोना का कहर

मार्च के महीने में कोरोना का तेजी से फैलाव देश की चिंता बढ़ाने वाला है। बीते साल इन्हीं दिनों कोरोना संक्रमण में तेजी आई थी और देश ने दुनिया का सबसे सख्त लॉकडाउन झेला था, जिसकी टीस अभी भी बाकी है। उस सख्ती से हमारी अर्थव्यवस्था की जो गत बनी, वह अभी भी सामान्य होने के लिये हिचकोले खा रही है। यह ठीक है कि कोरोना संक्रमण में तेजी का असर पूरी दुनिया में देखा जा रहा है, लेकिन चिंता की बात यह है कि कोरोना वायरस लगातार रूपांतरण करते हुए हमारी चिंता बढ़ा रहा है। देश के 18 राज्यों में कोरोना वायरस का एक डबल म्यूटेंट वैरिएंट मिला है जो इम्यून सिस्टम से बचकर तेजी से संक्रमण को बढ़ाता है। अभी इस बात का अध्ययन सामने नहीं आया है कि हाल ही में कोरोना संक्रमण में तेजी क्या इसी वैरिएंट की वजह से है। बताया जाता है कि स्वास्थ्य मंत्रालय की दस नेशनल लैब्स एक समूह ने अलग-अलग वैरिएंट की जीनोम सिक्वेंसिंग के बाद चौंकाने वाले खुलासे किये हैं। देश में एकत्र दस हजार से अधिक सैंपल का टेस्ट करने के बाद 771 अलग-अलग वैरिएंट को पकड़ा है, जिसमें 736 ब्रिटेन कोरोना वायरस वाले वैरिएंट हैं, वहीं 34 सैंपल साउथ अफ्रीका और एक सैंपल ब्राजील वाला है। ये सैंपल उन लोगों के थे जो विदेश यात्रा करके आये या लोग उनके संपर्क में आये। लेकिन यह वैरिएंट पिछले साल के वायरस के मुकाबले तेजी से म्यूटेट कर रहा है। इन पर इम्यूनिटी का असर भी नहीं हो रहा है। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय कह रहा है कि स्वेदशी वैक्सीन कोवैक्सीन नये वैरिएंट में भी कामयाब है। देश में रोज सामने आने वाले संक्रमण के मामले पचास हजार के करीब पहुंचना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए, जिसको लेकर प्रभावित राज्यों में बचाव के उपाय सख्त किये गये हैं। पंजाब समेत कई राज्यों में रात का कर्फ्यू लगाया गया है। निस्संदेह, ऐसे हालात में बचाव ही बड़े उपचार की भूमिका निभा सकता है। निस्संदेह, कोरोना संक्रमण में तेजी आई है, मगर सकारात्मक पक्ष यह है कि अब हमारे पास इसके उपचार के लिये कई तरह की वैक्सीन उपलब्ध हैं। वे भी स्वदेश निर्मित हैं। इसके बावजूद हमें पिछले साल सख्त लॉकडाउन की दिक्कतों और करोड़ों लोगों के रोजी-रोटी के संकट को महसूस करना चाहिए। तभी महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में संक्रमण की विकट स्थिति को देखते हुए चेताया है कि लोगों को यदि दूसरे लॉकडाउन से बचना है तो कोविड-19 से जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। कमोबेश यही स्थिति देश के अन्य राज्यों में भी है, जिसमें मास्क पहनना, सामाजिक दूरी, बार-बार हाथ धोना आदि शामिल हैं। वैक्सीन भले ही हमें भीतर से मजबूती देती है, लेकिन बाहरी सावधानी हमें उसके बावजूद बनाये रखनी है। यदि लोग सामाजिक जिम्मेदारी को नहीं निभाते तो कानूनन उन्हें ऐसा करने के लिये बाध्य करना चाहिए। निस्संदेह, चुनावी राज्यों में स्थिति विकट हो सकती है। केरल व तमिलनाडु में संक्रमण में तेजी चिंता बढ़ाने वाली है। भले ही चुनाव है लेकिन सार्वजनिक आयोजनों में अधिक सावधानी की जरूरत है और राजनीतिक दल देश को मुश्किल स्थिति डालने वाली स्थिति से बचने के लिये अपने समर्थकों को प्रेरित करें। अन्यथा भारत मुश्किलों से हासिल सफलता को गंवा भी सकता है। सरकार ने 45 साल से अधिक उम्र के सामान्य लोगों को एक अप्रैल से टीका लगाने की अनुमति देकर सार्थक पहल की है। सरकार को देश के कामकाजी वर्ग को प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन देनी चाहिए ताकि देश की अर्थव्यवस्था कोरोना संकट के प्रभावों से उबर सके।

प्रधानमंत्री का बांग्लादेश दौरा और मतुआ समुदाय

– डा. रमेश ठाकुर

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के ठीक एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पड़ोसी देश बांग्लादेश पहुंच रहे हैं। चुनावी पंडित उनके इस दौरे को बंगाल दुर्ग को भेदने और पड़ोसी देश से और मधुर रिश्तों के लिहाज से खास बता रहे हैं। पीएम अपनी यात्रा में वहां के प्रसिद्ध मंदिर ओरकांडी में भी जाना तय किया है जिसके पीछे का मकसद मतुआ समुदाय को अपने पक्ष में करना शामिल है। दरअसल, बांग्लादेश से सटे बंगाल के वे इलाके, जिनमें तकरीबन 50-55 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, वहां मतुआ समुदाय की मजबूत पकड़ है। पश्चिम बंगाल के नदिया से लेकर उत्तर और दक्षिण के 24-परगना तक मतुआओं का बड़ा दबदबा है। इसी वजह से पश्चिम बंगाल विधानसभा के पहले चरण के चुनाव से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बंग्लादेश दौरा चुनावी समीकरणों के हिसाब से बहुत खास माना जा रहा है। बंगाल में रहने वाले मतुआ समाज का राजनीतिक लहजे से बांग्लादेश से बड़ा कनेक्शन है। बंगाल चुनाव और मतुआ समुदाय की राजनीतिक अहमियत को अगर ठीक से समझें तो कई बातें स्पष्ट हो जाती हैं। दरअसल मतुआ समुदाय के लोग मूल रूप से पूर्वी पाकिस्तान से ताल्लुक रखते थे जो अब बांग्लादेश का हिस्सा है। समाज में प्रचलित वर्ण व्यवस्था को समाप्त करने के लिए इनको एकजुट करने का काम साठ के दशक में सबसे पहले, समाज सुधारक हरिचंद्र ठाकुर ने किया था। बंगाल के मतुआ समुदाय के लोग हरिचंद्र ठाकुर को भगवान मानते हैं जिनका जन्म बांग्लादेश के एक बेहद गरीब और अछूत नमोशूद्र परिवार में हुआ था। माना जाता है कि इस समुदाय से जुड़े काफी लोग देश के विभाजन के बाद धार्मिक शोषण से तंग आकर 1950 की शुरुआत में बंगाल आ गए थे। मौजूदा समय में पश्चिम बंगाल में इनकी आबादी करीब दो से तीन करोड़ के आसपास है। बंगाल के कुछ जिले जैसे नदिया, उत्तर और दक्षिण 24-परगना में करीब सात लोकसभा सीटों पर उनके वोट निर्णायक होते हैं। यही वजह है कि मोदी ने बीते लोकसभा चुनावों से पहले फरवरी की अपनी रैली के दौरान इस समुदाय की माता कही जाने वाली बीनापाणि देवी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया था। वीणापाणि देवी, हरिचंद्र ठाकुर के परिवार से आती हैं और इन्हें बंगाल में 'बोरो मां' यानी 'बड़ी मां' कह कर संबोधित किया जाता है। लेफ्ट और टीएमसी की हुकमूतों ने इस समुदाय का चुनावों में जमकर इस्तेमाल किया। लेकिन इस बार ये समुदाय उनसे छिटकर भाजपा के पाले में हैं। भाजपा ने इनको पूर्णरूपी नागरिकता देने और उनका सामाजिक-राजनैतिक रूप से उद्धार करने का वादा किया है। हालांकि मतुआ समुदाय ने अभी अपने पत्ते पूरी तरह से नहीं खोले हैं। लेकिन इशारा भाजपा की तरफ है। फिर भी सवाल एक ये भी उठने लगा है कि बंगाल चुनाव में मतुआ समुदाय किसके साथ पूरी तरह से रहेगा? पूर्ववर्ती सरकारों ने मतुआओं के साथ राजनैतिक रूप से बड़ा छल किया। ये लोग करीब 35 वर्ष तक लेफ्ट को समर्थन देते रहे। लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ धोखा ही मिला। बाद में ममता बनर्जी ने इनपर डोरे डाले तो उनके समर्थन में आ गए। कमोबेश, उन्हें वहां भी निराशा हाथ लगी। अब भाजपा से इनको बड़ी उम्मीदें हैं। ये सच है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में लेफ्ट की बड़ी ताकत हुआ करते थे मतुआ समुदाय। लेकिन लेफ्ट के शासन में उन्हें वह सब नहीं मिला। लेफ्ट से टीएमसी की तरफ इनका वोट शिफ्ट करने के पीछे एक बड़ी वजह खुद ममता बनर्जी रही हैं। उन्होंने ही पहली बार इस समुदाय को एक वोट बैंक के तौर पर विकसित किया। ममता 'बोडो मां' के परिवार को राजनीति में लेकर आई। साल 2014 में बीनापाणि देवी के बड़े बेटे कपिल कृष्ण ठाकुर ने तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर बनगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और संसद पहुंचे। साल 2015 में कपिल कृष्ण ठाकुर के निधन के बाद उनकी पत्नी ममता बाला ठाकुर ने उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर यह सीट जीती थी। इसके बाद बंगाल में अपने विस्तार की आस लगाए भाजपा की निगाहें भी इसी वोट बैंक पर जाकर टिक गई। 'बोड़ो मां' यानी मतुआ माता के निधन के बाद परिवार में राजनीतिक मतभेद खुलकर आ गए और अब ये समुदाय दो गुटों में बंटा हुआ है। भाजपा ने इस बंटवारे का फायदा उठाकर उनके छोटे बेटे मंजुल कृष्ण ठाकुर को भाजपा में शामिल किया। साल 2019 में भाजपा ने मंजुल कृष्ण ठाकुर के बेटे शांतनु ठाकुर को बनगांव से टिकट दिया और वे जीतकर सांसद बन गए। अब मोदी के बांग्लादेश दौरे में सांसद शांतनु ठाकुर भी साथ जा रहे हैं और इसी से ये कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा किसी भी हाल में इस वोट बैंक को अपने खेमे में समेटना चाहेगी। बहरहाल, मतुआ समुदाय के लिए नागरिकता आज की तारीख में बहुत बड़ा मुद्दा है। पहले बांग्लादेश से आए लोगों में इस तरह का कोई डर नहीं था। पर, 2003 में नागरिकता कानून में बदलाव के बाद वे थोड़ा भयभीत हैं। उनको लगता है, कहीं अवैध तरीके से भारत में घुसने के नाम पर उन्हें वापस बांग्लादेश ना खदेड़ दिया जाए। फिर नए सीएए कानून में बांग्लादेश में प्रताड़ित हिंदुओं को भारत में शरण देने की बात की गई है इस वजह से ये लोग अब भाजपा के पाले में हैं, जबकि ममता बनर्जी मुसलमान वोट बैंक की नाराजगी की वजह से सीएए के खिलाफ रहती हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने रविवार को सोनार बांग्ला नाम से संकल्प पत्र जारी कर नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को सख्ती से लागू कराने का वादा किया है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में मतुआ समुदाय आश्वस्त हो चुका है कि शायद अब उनका भला होने वाला है। यही कारण है प्रधानमंत्री का बांग्लादेश दौरा पश्चिम बंगाल चुनाव के लिहाज से भी अहम हो गया है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशीफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

राज्यों को फायदा कम, नुकसान ज्यादा

अमलेंदु भूषण खां

स्थानीय लोगों को निजी कंपनियों की नौकरी में आरक्षण देने को लेकर देश एक नये विवाद की ओर बढ़ रहा है। कई राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयासों से बेरोजगारों को कितना फायदा मिलेगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन इससे राजनीतिक दलों की दुकान चल पड़ेगी, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे मुद्दों ने स्थानीय लोगों के लिये नौकरियों के बढ़ते चलन और इससे जुड़ी चिंताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है। झारखंड सरकार ने भी हरियाणा सरकार की तरह निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण स्थानीय लोगों के लिए सुनिश्चित करने का कदम उठाया है। इसके तहत निजी क्षेत्र की कंपनियों को 50 हजार रुपये तक की मासिक वेतन वाली नौकरियों में से 75 प्रतिशत नौकरियां राज्य के लोगों को देनी होंगी। मात्र 25 फीसदी नौकरियां राज्य से बाहर के बेरोजगारों के लिए उपलब्ध रहेंगी। दरअसल, भारत में स्थानीय लोगों की नौकरी की सुरक्षा का मुद्दा हाल ही में बढ़ा है। विभिन्न राज्यों ने स्थानीय लोगों के आरक्षण के लिये नौकरी में आरक्षण के संबंध में समान कदम उठाए हैं। तो क्या यह माना जाए कि देश एक नये विवाद की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, यह कोई नयी बात नहीं है। महाराष्ट्र में वर्ष 1968 और 2008 में राज्य सरकार से मदद लेने वाले उद्योगों में 80 फ़ीसदी आरक्षण स्थानीय लोगों के लिए करने का प्रस्ताव रखा था, हालांकि इसे लागू नहीं किया गया। इसी तरह गुजरात में भी 1995 में स्थानीय लोगों के लिए 85 फ़ीसदी आरक्षण का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि ना तो निजी क्षेत्र और ना ही सार्वजनिक क्षेत्र में इस नीति को लागू किया गया। हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2004, ओडिशा सरकार ने वर्ष 2008, 2014, 2016 और 2019 में कर्नाटक सरकार ने निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए 100 फ़ीसदी आरक्षण का प्रस्ताव दिया। आंध्र प्रदेश सरकार वर्ष 2019 में इस तरह के अपने फैसले को इसलिए नहीं लागू कर सकी, क्योंकि उसे उच्च न्यायालय में चुनौती दे दी गई। मध्य प्रदेश की सरकार ने वर्ष 2019 में स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान किया था। लेकिन इनमें से किसी भी राज्य में इस कानून को लागू नहीं किया गया है और यह कार्यान्वयन तंत्र की कमी तथा उद्योगों, निकायों के अनिच्छुक दृष्टिकोण के कारण केवल कागज़ों तक ही सीमित रह गया। जम्मू-कश्मीर में सभी सरकारी नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित हैं। हालांकि इस आरक्षण को जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय के सामने चुनौती मिल चुकी है और इसका फ़ैसला आना अभी बाकी है। असम में भी असम समझौते के प्रावधानों को लागू करने का सुझाव दिया जा रहा है। इन सुझावों में सरकारी नौकरियों में सिर्फ़ उन्हें ही जगह दिए जाने की बात है, जिनके पुरखे 1951 से पहले से राज्य में रह रहे हों। हरियाणा सरकार के इस फैसले के बाद आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि संगठन नैसकॉम ने एक सर्वेक्षण कराया। सर्वेक्षण के अनुसार इस कानून से राज्य में करीब 1.5 लाख सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नौकरियां प्रभावित होंगी। इस सर्वेक्षण में शामिल 80 फीसदी लोगों का मानना है कि इससे उनके भविष्य के कारोबारी परिचालन एवं निवेश योजनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इनमें से अधिकतर लोगों ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप कंपनियां दूसरे राज्यों अथवा दूसरे देशों की ओर रुख करेंगी। सर्वेक्षण में हरियाणा में मौजूद 500 आईटी/आईटीईएस कंपनियों में से उन 73 कंपनियों से बात की गई, जिनके पास सीधे तौर पर 4 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। नैसकॉम ने कहा, 'यह कानून 4 लाख आईटी/ आईटीईएस कर्मचारियों के अलावा कुल मिलाकर मौजूदा करीब 1.5 लाख नौकरियों यानी 37 फीसदी को प्रभावित करेगा। यह कानून नयी नियुक्तियों पर लागू होगा और ऐसे में अगले एक-दो साल में इसका प्रभाव कहीं अधिक गंभीर हो सकता है।' बिहार में छोटे और मध्यम श्रेणी के 25 हजार उद्योग हैं, जिनमें से करीब 22 हजार बंद पड़े हैं। उत्तर प्रदेश की हालत बिहार से बेहतर है। नोएडा, कानपुर, लखनऊ जैसी जगहों में उद्योग धंधे चल रहे हैं। इसके बावजूद राज्य के युवाओं को रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, अन्य राज्यों में पलायन करना पड़ता है। सवाल यह उठता है कि ऐसे विधानों के पीछे सरकार की मंशा क्या रहती है। दरअसल वोट बैंक की राजनीति ऐसे कानूनों का सृजन करती है। ऐसे प्रतिबंधों वाले राज्य में उद्योगों के अवरोध के कारण रोज़गार सृजन कम हो गया है। यह वास्तव में लाभान्वित करने की तुलना में मूल निवासियों को अधिक नुकसान पहुंचाएगा। भले ही निजी क्षेत्र की नौकरियां स्थानीय लोगों को देने वाले फैसलों के जरिये जनता को यह संदेश देने की कोशिश की जाती हो कि सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन ऐसे कदम कुल मिलाकर निजी क्षेत्र को हतोत्साहित ही करते हैं। इससे भी खराब बात यह होती है कि वे पिछले दरवाजे से इंस्पेक्टर राज की वापसी का कारण भी बनते हैं। इसके नतीजे में नए उद्योग-धंधे स्थापित करने वाले भी हतोत्साहित होते हैं और वे किसी अन्य राज्य में संभावनाएं तलाशते हैं। देश आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की ज्यादा आवश्यकता है।

नजरिया

महिलाओं को उपहार नहीं, सदन में जगह चाहिए

नमिता भंडारे, वरिष्ठ पत्रकार

महिलाओं के लिए यात्रा रियायतों, गृहिणियों के लिए वेतन, एलपीजी सिलेंडर, सरकारी नौकरी में आरक्षण और यहां तक कि मुफ्त वाशिंग मशीन का भी वादा किया जा रहा है। चुनावी संकेतों को समझने के लिए बहुत बुद्धिमान होने की जरूरत नहीं है। चुनाव कोई भी हो, महिला वोटरों को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चुनाव और राजनीति में महिलाओं के बड़े महत्व के बावजूद एक तथ्य बहुत कटु बना हुआ है कि किसी भी चुनाव में महिला प्रतिद्वंद्वियों की संख्या कम रहती है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का नेतृत्व ममता बनर्जी कर रही हैं, लेकिन उनकी पार्टी के 291 घोषित उम्मीदवारों में से महज 50 महिलाएं हैं। मतलब वहां पार्टी के कुल उम्मीदवारों में महज 17 प्रतिशत महिलाएं हैं। हालांकि, साल 2019 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 41 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा था। फिर भी, पश्चिम बंगाल इस मामले में केरल से आगे है। केरल में महिला उम्मीदवारों की संख्या नौ प्रतिशत ही है। केरल महिला कांग्रेस की प्रमुख लथिका सुबाश ने इसके लिए अपना विरोध भी जताया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) में 85 में से 12 महिला उम्मीदवार हैं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 115 उम्मीदवारों में 15 महिलाएं। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक द्वारा शुरुआती दौर में घोषित 171 उम्मीदवारों में से केवल 14 और द्रमुक के 173 उम्मीदवारों में से 12 महिलाएं हैं। असम में भी शुरुआती 223 घोषित उम्मीदवारों में से महज 19 महिलाएं थीं। चुनाव लड़ने वाली महिलाओं के ऐसे आंकड़े हर हाल में दयनीय हैं। महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के उद्देश्य से एक संगठन की सह-संस्थापक तारा कृष्णस्वामी ने इसे लोकतंत्र की भयावहता करार दिया है। महिला प्रतिनिधियों की संख्या चिंता पैदा करती है। केरल, तमिलनाडु जैसे राज्य लिंग आधारित विकास संकेतकों के मामले में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं, लेकिन जब विधानसभा या लोकसभा के लिए महिला उम्मीदवारी की बात आती है, तो वे भी पिछड़ जाते हैं। विधानसभाओं और संसद में सीटों पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की घोषणापत्रों में बात करना केवल कथनी है। किसी पार्टी को इस दिशा में पहल करने की शुरुआती जरूरत भी महसूस नहीं हुई है। सियासी पार्टियां महिलाओं को आगे लाने की बस बात करती रहती हैं। यह बात भी अब बहुत पिट चुकी है। जब हम आधी आबादी हैं, तब विधायिका में किसी चीज के लिए हम समझौता क्यों करें? मसला प्रतिनिधित्व का है। अब पुरुष ऐसी नीतियों पर निर्णय लेना जारी नहीं रख सकते, जो महिलाओं को प्रभावित करती हैं, चाहे वह संशोधित गर्भपात विधेयक हो या किशोर न्याय कानून में बदलाव। प्रतिनिधित्व से भी अधिक जरूरी है कि महिलाएं मौके की जगहों-पदों पर काबिज हों, यह महिलाओं का अधिकार भी है। जब हम सार्वजनिक स्थानों के बारे में सोचते हैं, तो हम अपनी कल्पनाओं को उद्यान, सड़क और सार्वजनिक परिवहन तक सीमित कर देते हैं, लेकिन सार्वजनिक स्थानों में संसद और विधानसभाएं भी तो शामिल हैं। इसमें उच्च न्यायपालिका, श्रम बल, उच्च शिक्षा, कार्यालय और खेल भी शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र व स्थान से महिलाएं कमोबेश गायब हैं। जस्टिस इंदु मल्होत्रा की हालिया सेवानिवृत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट में एक महिला जज व उच्च न्यायालयों में छह प्रतिशत से भी कम महिला जज सेवारत हैं। सार्वजनिक रिक्त पदों पर किसे रखा जाए का सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब महामारी के समय महिलाओं को घर के अंदर धकेला जा रहा हो। यह वाकई चिंता की बात है, अगर श्रम बल में महिलाओं की भागीदार घट रही है। निःशुल्क वाशिंग मशीनों के खिलाफ भला कौन जा सकता है, लेकिन महिलाओं के लिए इसका वितरण पुरुष प्रधान राजनीतिक दलों के इस विश्वास या सोच को दर्शाता है कि महिलाओं की वास्तविक जगह वह कहां समझते हैं। कोई इन राजनीतिक दलों को बताए कि महिलाओं की जगह वॉशिंग मशीन के पास ही नहीं है, संसद व तमाम विधाई सदनों में है। और यह समय है, जब महिला मतदाता अपना यह संदेश सुना दें।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

LAXMI ORGANIC INDUSTRIES LTD

लक्ष्मी ऑर्गेनिक के शेयर 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध

नयी दिल्ली, विशेष किस्म के रसायन बनाने वाली कंपनी लक्ष्मी ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर गुरुवार को 130 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 20.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 156.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में शेयर 24.65 प्रतिशत बढ़कर 162.05 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर 19.61 प्रतिशत की छलांग के साथ 155.50 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर लक्ष्मी ऑर्गेनिक का बाजार मूल्यांकन 4,185.65 करोड़ रुपये था। लक्ष्मी ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज के आईपीओ को 106.79 गुना अभिदान मिला था।

भारत में लॉन्च हुई वीवो एक्स-60 सीरीज

नई दिल्ली। चीनी स्मार्टफोन ब्रांड वीवो ने गुरुवार को भारत सहित प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी फ्लैगशिप एक्स-60 सीरीज के तहत तीन नए स्मार्टफोन का अनावरण किया। इस सीरीज के तहत आने वाले स्मार्टफोन की शुरुआती कीमत भारत में 37,990 रुपये रखी गई है। नया एक्स-60 दो स्टोरेज वेरिएंट्स में पेश किया गया है। यह 8 प्लस 128 जीबी और 12 प्लस 256 जीबी स्टोरेज के साथ आता है, जिनकी कीमत क्रमशः 37,990 रुपये और 41,990 रुपये निर्धारित की गई है। वहीं एक्स-60 प्रो और एक्स-60 प्रो प्लस एकल स्टोरेज वेरिएंट में ही पेश किया गया है। इन फोन में 12 प्लस 256 जीबी स्टोरेज दिया गया है और इनकी कीमत क्रमशः 49,990 रुपये और 69,990 रुपये निर्धारित की गई है। एक्स-60 प्रो प्लस एम्परर नीले रंग में एक प्रीमियम सॉफ्ट वीगन लेदर के आवरण के साथ आता है, जबकि एक्स-60 प्रो और एक्स-60 वेरिएंट दो रंग विकल्पों में उपलब्ध होगा - मिडनाइट ब्लैक और शीमर ब्लू। स्मार्टफोन 2 अप्रैल से पूरे भारत के प्रमुख ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर में उपलब्ध होंगे। वीवो इंडिया में ब्रांड रणनीति मामलों के निदेशक निपुण मारया ने एक बयान में कहा कि 60 सीरीज कंपनी की बहुत ही सफल रही। 50 सीरीज से उनके सीखने को एक नए स्तर पर लेकर गई है। एक्स-60 प्रो प्लस एक रियर क्वाड-कैमरा सेटअप के साथ आता है, जिसमें 50 मेगापिक्सल प्लस 48 मेगापिक्सल प्लस 32 मेगापिक्सल प्लस 8 मेगापिक्सल सैटअप शामिल है। जबकि एक्स-60 प्रो मॉडल में तीन रियर कैमरे हैं, जिसमें 48 मेगापिक्सल प्लस 13 मेगापिक्सल प्लस 13 मेगापिक्सल और साथ ही 32 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा भी दिया गया है। वीवो एक्स-60 प्रो प्लस क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 888 5जी मोबाइल प्लेटफॉर्म पर चलता है, जबकि बाकी एक्स-60 सीरीज क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 870 के साथ संचालित होते हैं। वीवो एक्स-60 सीरीज में 120 हॉर्ट्ज रिफ्रेश रेट और 240 हॉर्ट्ज रिस्पॉन्स रेट के साथ एज-टू-एज एएमओएलईडी डिस्प्ले की सुविधा दी गई है। 120 हॉर्ट्ज रिफ्रेश रेट सहज स्क्रॉलिंग और देखने की अनुमति देता है, जबकि 240 हॉर्ट्ज रिस्पॉन्स रेट अल्ट्रा-रिस्पॉन्सिव टच स्क्रीन का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। एक्स-60 प्रो प्लस में 4200 एमएएच (टीवाईपी) की बैटरी दी गई है।

RBI गवर्नर बोले- क्रिप्टोकरेंसी पर हो रहा विचार, सरकार जल्द लेगी बड़ा फैसला

बिजनेस डेस्क।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने वीरवार को कहा कि हम रुपये की स्थिरता बनाये रखेंगे।दास ने एकोनॉमिक कॉनक्लवे में अपनी बात रखते हुए कहा कि मजबूत पूंजी आधार के साथ बैंक क्षेत्र की वित्तीय सेहत, नैतिक मानदंडों के साथ संचालन व्यवस्था बनाये रखना हमारी प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण को लेकर सरकार के साथ चर्चा कर रहे हैं, प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

पिछले साल हुआ 274 करोड़ डिजिटल लेने-देनः दास

आरबीआई गवर्नर ने चर्चा के दौरान कहा कि पिछले साल लोगों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण उपब्ध कराने के लिये 274 करोड़ डिजिटल लेने-देन हुए हैं। आरबीआई वित्तीय स्थिरता संबंधी चिंताओं का आकलन कर रहा है, क्योंकि यह आगे केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा के लिये महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियों का पुनरुद्धार निर्बाध रूप से जारी रहना चाहिए, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आरबीआई के 10.5 प्रतिशत वृद्धि अनुमानों को घटाने की जरूरत नहीं लगती।

आरबीआई और सरकार की राय में कोई अंतर नहीं: दास

शक्तिकांत दास ने आगे कहा कि देश में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामले में चिंता की बात है, लेकिन इससे निपटने के लिये इस बार हमारे पास अतिरिक्त उपाय है।

इसके साथ ही उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी का जिक्र करते हुए कहा कि इसे लेकर अपनी चिंताओं से सरकार को अवगत कराया है, इस पर विचार किया जा रहा है, सरकार इस पर निर्णय करेगी। उन्होंने साफ किया कि क्रिप्टोकरेंसी पर आरबीआई और सरकार की राय में कोई अंतर है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सात पै टूटा

मुंबई, भारत और दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना वायरस संत्र के बढ़ते मामलों से उपजी चिंता के चलते रुपया गुरुवार को अमे डॉलर के मुकाबले सात पैसे टूटकर 72.62 के स्तर पर आ अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुक 72.68 के स्तर पर खुला और बाद में नुकसान की भरपाई करते 72.62 पर आ गया। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमे डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत ब 92.55 पर था। दूसरी ओर वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 1 प्रतिशत गिरकर 63.55 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

IT Refund: आयकर विभाग ने 2.24 करोड़ करदाताओं को लौटाए 2.13 लाख करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क। आयकर विभाग ने बताया कि उसने चालू वित्त वर्ष में अबतक 2.24 करोड़ करदाताओं को 2.13 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर राशि वापस किये हैं। इसके तहत एक अप्रैल, 2020 से 22 मार्च, 2021 के बीच व्यक्तिगत आयकर मद में 79,483 करोड़ रुपये और कंपनी कर मद में 1.34 करोड़ रुपये वापस किये गये। आयकर विभाग ने ट्विटर पर लिखा कि सीबीडीटी ने एक अप्रैल 2020 से 22 मार्च 2021 के बीच 2.24 करोड़ करदाताओं को 2,13,823 करोड़ रुपये से अधिक की कर राशि लौटायी है। इसमें आयकर मद में 2,21,92,812 मामलों में 79,483 करोड़ रुपये जबकि कंपनी कर मद में 2,22,188 मामलों में 1,34,340 करोड़ रुपये लौटाये गये। दरअसल सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान करदाताओं को बिना किसी बाधा के कर संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। इसको देखते हुए विभाग लंबित कर राशि वापसी के मामले को निपटा रहा है।

व्हाट्सएप की नई प्राइवेसी पॉलिसी पर सख्त कंपटीशन कमीशन, जांच के निर्देश

नई दिल्ली:

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अपने जांच महानिदेशालय (डीजी) को लोकप्रिय मैसेजिंग मंच व्हाट्सएप की नई निजता नीति की जांच करने का निर्देश दिया है। सीसीआई ने कहा है कि नीति को अपडेट (अद्यतन) करने के नाम पर व्हाट्सएप ने अपने 'शोषक और विभेदकारी' व्यवहार के जरिए प्रथम दृष्टया प्रतिस्पर्धा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। विभिन्न हलकों से फेसबुक के स्वामित्व वाली व्हॉट्सएप की अद्यतित निजता नीति को लेकर चिंता जताई जा रही है। उसी के बाद अब प्रतिस्पर्धा आयोग ने इसकी जांच का आदेश दिया है। व्हॉट्सएप के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी इस मुद्दे पर सीसीआई से संपर्क करेगी। प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी लोगों के व्यक्तिगत संदेशों के एंड-टू-एंड (प्रारंभ से अंत तक) इनक्रिप्शन के जरिए संरक्षित करने को प्रतिबद्ध है। साथ ही कंपनी इन नए वैकल्पिक फीचर्स के काम करने के तरीके बारे में पारदर्शिता बरतेगी। नियामक ने कहा कि उपयोगकर्ताओं की विवशतापूर्ण सहमति के आधार पर उसके बारे में जानकारी दूसरों को देने के प्रभाव का पता लगाने को विस्तृत जांच जरूरी है। सीसीआई ने जांच महानिदेशक को 60 दिन में जांच पूरी कर रिपोर्ट मांगी है। व्हाट्सएप एलएलसी और उसकी मूल कंपनी फेसबुक के खिलाफ यह आदेश आयोग ने इस मामले में मीडिया रपटों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दिया है। सीसीआई ने नीति अपडेट के संभावित प्रभाव तथा व्हाट्सएप प्रयोगकताओं तथा बाजार के लिए शर्तों का पता लगाने को जांच का निर्देश दिया है। सीसीआई ने कहा कि व्हाट्सएप ने अपनी निजता नीति प्रयोगकताओं के लिए सेवा शर्तों का अद्यतन किया है। नियामक ने कहा कि प्रयोगकर्ताओं को अनिवार्य रूप से इन नई शर्तों तथा नीति को पूरी तरह स्वीकार करना होगा। इनमें प्रयोगकर्ताओं की सूचनाओं को फेसबुक की अन्य कंपनियों के साथ साझा करने की शर्त भी शामिल है। प्रतिस्पर्धा आयोग ने कहा, ''प्रथम दृष्टया कंपनी की निजता नीति की प्रकृति 'स्वीकार करो या छोड़ दो' है। साथ ही जो शर्तें तय की गई गई हैं या सूचनाओं को साझा करने के लिए जिन शर्तों का जिक्र है, व्हाट्सएप की बाजार में मजबूत स्थिति को

देखते हुए उनकी जांच का मामला बनत हालांकि, व्हाट्सएप ने कहा कि 2021 अपडेट उसकी फेसबुक के साथ डाटा र करने की क्षमता को बढ़ाता नहीं है। इ मकसद व्हॉट्सएप द्वारा जुटाए जाने वाले उसके इस्तेमाल और उसको साझा करने लेकर और पारदर्शिता लाना है। हालां सीसीआई ने स्पष्ट किया है कि कंपनी के तरह के दावों की पुष्टि डीजी की जांच के ही हो सकती है। आयोग ने कहा कि प्रयोग अपने व्यक्तिगत आंकड़ों के मालिक हैं। उ पास यह जानने का पूरा अधिकार है व्हॉट्सएप द्वारा फेसबुक की अन्य कंपनियो ऐसी सूचनाओं को साझा करने का क्या मक है।

सेंसेक्स 740 अंक लुढ़ककर 48440 पर बंद हुआ, 14325 पर निफ्टी

मुंबई,

कमजोर वैश्विक संकेतों और कोरोना के गहराते कहर से बने निराशाजनक माहौल में घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी मायूसी का आलम रहा। सेंसेक्स बीते सत्र से 740 अंकों से ज्यादा फिसलकर 48,440 पर बंद हुआ और निफ्टी भी करीब 225 अंक टूटकर 14,325 पर ठहरा। सेंसेक्स बीते सत्र से 740.19 अंकों यानी 1.51 फीसदी की गिरावट के साथ 48,440.12 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी पिछले सत्र से 224.50 अंकों यानी 1.54 फीसदी की गिरावट के साथ 14,324.90 पर बना हुआ था। हालांकि बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स बीते सत्र से 21.67 अंकों की बढ़त के साथ 49,201.98 पर खुला और दिनभर के कारोबार के दौरान 48,247.95 तक चढ़ने के बाद फिसलकर 48,236.35 पर आ गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी बीते सत्र से 21.50 अंकों की बढ़त के साथ 14,570.90 पर खुला और 14,575.60 तक चढ़ा लेकिन बिकवाली के दबाव में कारोबार के दौरान 14,264.40 तक फिसला। बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सत्र से 446.64 अंकों यानी 2.22 फीसदी की गिरावट के साथ 19,643.89 पर बंद हुआ और स्मॉलकैप सूचकांक 378.86 अंकों यानी 1.85 फीसदी की गिरावट के साथ 20,062.06 पर ठहरा। सेंसेक्स 30 शेयरों में से चार शेयरों में बढ़त रही, जबकि 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। बढ़त वाले शेयरों में डॉ. रेड्डी (0.74 फीसदी), आईसीआईसीआई बैंक (0.70 फीसदी), एचडीएफसी (0.25 फीसदी) और एलटी (0.21 फीसदी) शामिल रहे। वहीं, सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच शेयरों में मारुति (3.98 फीसदी), हिंदुस्तानयूनीलीवर (3.47 फीसदी), भारती एयरटेल (2.98 फीसदी), बजाज ऑटो (2.86 फीसदी) और एनटीपीसी (2.83 फीसदी) शामिल रहे। बीएसई के सभी 19 सेक्टरों के सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई, जिनमें से पांच सबसे ज्यादा गिरावट वाले सेक्टरों में टेलीकॉम (3.14 फीसदी), पावर (2.83 फीसदी), ऑटो (2.80 फीसदी), एनर्जी (2.63 फीसदी) और युटिलिटीज (2.59 फीसदी) शामिल रहे।

एप्पल वॉच में रैप-अराउंड डिस्प्ले पर काम जार

सैन फ्रांसिस्को, एप्पल की ओर से एप्पल वॉच के लिए एक नए डिजाइन पर काम किए जाने की बात कही जा रही है, जिसमें राउंडेड वॉच फेस, रैप अराउंड फ्लेक्सिबल डिस्प्ले और वॉच बैंड शामिल हैं, जिसे डिजिटली कस्टमाइज किया जा सकेगा। मैकरूमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एप्पल ने 'डिस्प्ले मॉड्यूल एंड सिस्टम एप्लीकेशंस' की शीर्षक के साथ एक पेटेंट को यूनाइटेड स्टेट पेटेंट और ट्रेडमार्क ऑफिस में फाइल किय इस डॉक्यूमेंट के मुताबिक, स्मार्टवॉच फ्लेक्सिबल डिस्प्ले के आएगी और इसके बैंड का डिजाइन भी काफी नया होगा। इस स्मार्ट को फोल्डेबल स्क्रीन के साथ पेश किया जाएगा। इसमें डायल के स साथ स्ट्रैप पर भी डिस्प्ले मिलेगा। कई सारे नए हेल्थ और फिटनेस के साथ पेश किया जाने वाला यह स्मार्टवॉच वियरेबल सेंगमेंट में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्मार्टवॉच की श्रेणी में साल 2020 में इ वैश्विक हिस्सेदारी 51 फीसदी रही और आगे भी भारतीय बाजा इसकी स्थिति मजबूत बने रहने की संभावना है।

सेमीकंडक्टर स्टार्टअप को मिलकर बढ़ावा देंगे आईआईटी-हैदराबाद, आईटी मंत्रालय व एनएक्सपी

हैदराबाद ।

आईआईटी-हैदराबाद, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय और एनएक्सपी इंडिया ने पहले सेमीकंडक्टर स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड एक्सेलेरेशन प्रोग्राम के शुभारंभ की घोषणा के लिए हाथ मिलाया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में तकनीकी और व्यावसायिक पहलुओं के साथ-साथ सेमीकंडक्टर और आईपी डिजाइन स्टार्ट-अप का पता लगाना और इसे सुविधा प्रदान करना है। एनएक्सपी इंडिया एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के लिए सबसे बड़े आर एंड डी केंद्रों में से एक है और एम्बेडेड एप्लिकेशंस के लिए सुरक्षित कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस में एक वैश्विक लीडर है। एक बयान के अनुसार, यह कार्यक्रम भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के देश के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा, क्योंकि यह उन स्टार्ट-अप्स का समर्थन करने के लिए एक तैयार मंच बनाता है, जो भारत में सेमीकंडक्टर चिप्स डिजाइन करना चाहते हैं। बयान में कहा गया है कि उत्पादों के स्थानीय हार्डवेयर डिजाइनिंग और निर्माण से आत्मनिर्भर भारत की कोर प्रौद्योगिकी-चालित सिस्टम पिलर विजन मजबूत होगा और इसके बदले में भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार पैदा होगा और वैल्यू चेन में आगे बढ़ते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में विश्व स्तर पर भारत की स्थिति बढ़ेगी।

एनएक्सपी सेमीकंडक्टर के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी लार्स रेगर ने एक बयान में कहा, अगले दशक में हमारे चारों ओर बहुत सारे स्मार्ट कनेक्टेड सिस्टमों के साथ एक ऐसी दुनिया, जो प्रत्याशित और स्वचालित होगी बनाने के लिए होगी। यह सब उस ग्रह को एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करेगा, जो रहने के लिए और मजा करने के लिए एक बेहतर स्थान होगा। इन स्मार्ट कनेक्टेड सिस्टम में इसके केंद्र में एक कोर सेमीकंडक्टर तकनीक होती है।

उस संदर्भ में, मुझे लगता है कि सेमीकंडक्टर स्टार्टअप इन्क्यूबेशन और एक्सेलेरेशन प्रोग्राम भारत में फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन की मजबूती के लिए मुख्य प्रेरणा ला सकता है और मैं इस कार्यक्रम के साथ परिणामों को देखने के लिए बहुत उत्साहित और उत्सुक हूं। हर साल प्रत्येक कोहॉर्ट में दो वर्षों की अवधि के लिए पांच स्टार्ट-अप लगाए जाएंगे।

गुजरात में गेहूं की सरकारी खरीद शुरू, मध्यप्रदेश में 27 मार्च से

नई दिल्ली।

देशभर में रबी विपणन सीजन 2021-22 में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की विधिवत खरीदारी एक अप्रैल में शुरू होगी, लेकिन गुजरात में पहले की शुरू हो चुकी है और मध्यप्रदेश में 27 मार्च से शुरू होने जा रही है। मध्यप्रदेश के उज्जैन और इंदौर संभाग में पहले 22 मार्च से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू होने वाली थी, लेकिन अब 27 मार्च से शुरू होगी। मध्यप्रदेश सरकार के खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की तरफ से जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि अपरिहार्य कारणों से इंदौर एवं उज्जैन संभाग में गेहूं की खरीदी निर्धारित समयावधि पर प्रारंभ नहीं की जा सकी और राज्य शासन द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, इंदौर एवं उज्जैन संभाग में न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर गेहूं की खरीदी अब 27 मार्च से शुरू करना तय हुआ है। वहीं, गुजरात में पहले ही गेहूं की खरीद शुरू हो चुकी है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुजरात में 555 टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। केंद्र सरकार ने रबी विपणन सीजन 2021-22 के दौरान कुल 427.363 लाख टन गेहूं की खरीद का अनुमान लगाया गया है, जो रबी विपणन सीजन 2020-21 के दौरान हुई 389.93 लाख मीट्रिक टन से 9.56 प्रतिशत अधिक है। इसमें सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश में 135 लाख टन, पंजाब में 130 लाख टन, हरियाणा में 80 लाख टन, उत्तर प्रदेश में 55 लाख टन, राजस्थान में 22 लाख टन, उत्तराखंड में 2.20 लाख टन, गुजरात 1.5 लाख टन, बिहार में एक लाख टन, हिमाचल प्रदेश में 6000 टन, महाराष्ट्र में 300 टन, दिल्ली में 50,000 टन और जम्मू-कश्मीर में 10,000 टन गेहूं की खरीद होने का अनुमान है। चालू फसल वर्ष में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,975 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

उबर ने प्रिस्क्रिप्शन डिलीवरी के लि स्क्रिप्टड्रॉप के साथ साझेदारी की

सैन फ्रांसिस्को.

राइड-हीलिंग प्लेटफॉर्म उबर ने 37 अमेरिकी राज्यों में कंपनी की फार्मेसियों के लिए डिफॉल्ट डिलीवरी सेवा प्रदान करने के लिए प्रिस्क्रिप्शन डिलीवरी सेवा प्रदाता स्क्रिप्टड्रॉप के साथ साझेदारी की है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, यह सर्विस फार्मेसियों को मरीजों के लिए प्रिस्क्रिप्शन डिलीवरी की सुविधा देती है।

टूल्स संगठनात्मक सॉफ्टवेयर के साथ एकीकृत कर सकते हैं और इसे फार्मेसी आमतौर पर प्रिस्क्रिप्शन का ध्यान रखने के लिए उपयोग करते हैं। स्क्रिप्टड्रॉप के सीईओ अमांडा ईप ने एक बयान में कहा, उबर की तकनीक के साथ स्क्रिप्टड्रॉप के इंटीग्रेटेड इंटरफेस को जोड़ने में सक्षम होने का मतलब है कि सभी आकारों की फार्मेसियों को बेहतर तरीके से प्रिस्क्रिप्शन का पालन करने और अपने समुदायों को बेहतर सेवा देने के लिए सुसज्जित किया जाएगा।

कोविड-19 महामारी ने मेल-ऑर्डर और कूरियर-आधारित दवा वितरण में वृद्धि की है, क्योंकि लोग फार्मेसी में खुद जाने से रहे हैं। यह प्रिस्क्रिप्शन वितर उबर का दूसरा प्रयास है। रिपो कहा गया है कि इसने अ 2020 में सिएटल और डला दवाइयों की डिलीवर के निम्बलआरएक्स के साथ साझे की थी। कंपनी ने उस सेवा विस्तार ऑस्टिन, ह्यूस्टन न्यूयॉर्क शहर में किया। कंपन पास अन्य स्वास्थ्य देखभाल हैं, जिसमें एक टूल भी शामि जो डॉक्टरों या अन्य प्रदाताओ नियुक्तियों के लिए मरीजों को राइड बुक करने की सुविधा है।

हाल ही में, राइड-हीलिंग दि कंपनी उबर ने अपने 'सीं पैट्रोल प्रोग्राम' को 50 लाख की मुफ्त राइड प्रदान करने लिए स्वयंसेवक आधारित सं रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) साथ भागीदारी की है।

इस साझेदारी के माध्यम से 53 भारतीय शहरों में जरूर बुजुर्गों को उनकी खुराक लेने लिए वैक्सीन केंद्र आने और के दौरान मुफ्त राइड प्रदान क जिसमें उबर और आरएचए मिलकर काम करेंगे।

हाइपरएक्स ने पल्सफायर हेस्ट गेमिंग माउस लॉन्च किया

नई दिल्ली।

हाइपरएक्स, जो किंग्स्टन टेक्नोलॉजी का गेमिंग डिवीजन है, उसने सोमवार को अपने हाइपरएक्स पल्सफायर हेस्ट गेमिंग माउस को 3,890 रुपये की कीमत के साथ लॉन्च किया। कंपनी के अनुसार, 59 ग्राम वजन वाले, पल्सफायर हेस्ट एक अल्ट्रा-लाइट हनीकॉम्ब हेक्स शेल डिजाइन के साथ आता है, जो क्लिक मूवमेंट और बढ़े हुए वेंटिलेशन की पेशकश करता है। अपने गेमिंग कौशल को पूरा करने के लिए अल्ट्रा-लाइटवेट माउस की तलाश करने वाले गेमर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। पल्सफायर हेस्ट का उद्देश्य आपकी उंगलियों को पहले की अपेक्षा अधिक आराम और बेहतर कमांड देना है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पल्सफायर हेस्ट हाइपरएक्स के उच्च-गुणवत्ता वाले डिजाइन के साथ तेजी से इन-गेम मूवमेंट के लिए एक अल्ट्रा-लाइटवेट सॉल्यूशंस में पेश किया गया है और इसमें शामिल ग्रिप टेप का उपयोग करते हुए खिलाड़ियों को सहजता से उनके मूवमेंट को मिरर करने में मदद मिलती है। पल्सफायर हेस्ट में हाइपरएक्स नगिन्यूटी सॉफ्टवेयर के माध्यम से कस्टम प्रोफाइल को सेव करने के लिए 60एम क्लिक डूराबिलिटी, छह प्रोग्राम बटन और ऑनबोर्ड मेमोरी के साथ टीटीसी गोल्डन माइक्रो डस्टप्रूफ स्विच की सुविधा है। माउस चार प्रीसेट डीपीआई सेटिंग्स - 400, 800, 1600, और 3200 डीपीआई भी प्रदान करता है। यह सटीक ट्रैकिंग और 16,000 डीपीआई तक स्थानीय डीपीआई सेटिंग्स के लिए पिक्सर्ट 3335 सेंसर का उपयोग करता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिट रहे तो विश्व कप टीम का हिस्सा होंगे भुवनेश्वर : बांगर

नई दिल्ली. भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर का कहना है कि अगर भुवनेश्वर कुमार फिट रहते हैं और फॉर्म में रहे तो वह इस साल होने वाले टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा होंगे। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के पांचवें मुकाबले में उम्दा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भी दो विकेट झटके थे। यह पूछे जाने पर कि क्या भुवनेश्वर टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह पक्की कर चुके हैं। इस पर बांगर ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि भुवनेश्वर शामिल होंगे। अगर वह फिट रहे और फॉर्म में रहे तो जरूरत उन्हें लिया जाएगा। टीम ने हाल ही में दिखाया है कि वो फॉर्म में हैं। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप में अभी काफी समय बचा है। इससे पहले आईपीएल होना है। मेरा मानना है कि अभी कई स्पॉट ऐसे हैं जिसे भरना है। जिन खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा गया है उनके पास भी अभी मौका है। मैं अभी किसी भी खिलाड़ी को विश्व कप टीम में शामिल होने की दौड़ से बाहर नहीं मानता हूं।

ISSF विश्व कप :

भारत ने स्वर्ण और रजत जीतकर दबदबा कायम रखा

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला निशानेबाजों ने गुरुवार को यहां 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में रजत पदक जीतकर आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में देश का दबदबा बरकरार रखा। प्रतियोगिता के सातवें दिन हंगरी की टीम पुरुषों की राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल से हट गयी क्योंकि उसके खिलाड़ियों को सीनियर निशानेबाज पीटर सिडी के साथ बाइपॉड को लेकर अंदरूनी विवाद पैदा हो गया। इस कारण यह स्पर्धा शुक्रवार तक स्थगित कर दी गयी। भारत का सामना अब तीसरे स्थान के अमेरिका से होगा। भारत की चिंकी यादव, मनु भाकर और राही सरनोबत ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में कुल 17 का स्कोर बनाया और पोलैंड की इवोना वावरजोनोवस्का, युलिता बोरेक और एग्निस्का कोरेज्वो को आसानी से हराया। पोलैंड की टीम ने केवल सात का स्कोर बनाया। सरनोबट ने बाद में कहा कि व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में अगर हम गलतियां करते हैं तो हम अंक गंवाते हैं। लेकिन यहां हम अधिक जिम्मेदारी महसूस करते है। इससे एक दिन पहले यादव, भाकर और सरनोबट ने इस स्पर्धा के व्यक्तिगत मुकाबले में तीनों पदक जीते थे। इस जीत से भारत की पदक तालिका में स्थिति अधिक मजबूत हो गयी है। उसके नाम पर अब 10 स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक दर्ज हैं। इससे पहले अंजुम मोदगिल, श्रेया सक्सेना और गायत्री नित्यानादम की भारतीय टीम ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन की टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक के मैच में 43 अंक हासिल किये और वह पोलैंड की टीम के बाद दूसरे स्थान पर रही। पोलैंड ने 47 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। भारत ने इससे पूर्व पहले और दूसरे क्वालीफाईंग दौर में क्रमशः 1304 और 864 का स्कोर बनाया था। पोलैंड की टीम में अनेटा स्टैनकीवज, अलेक्सांद्रा सजुको और नतालिया कोचान्स्का शामिल थी। इंडोनेशिया की विद्या रफीका रहमतान तोइबा, मोनिका दरयंती और आद्रे जाहरा दियानिशा ने हंगरी की ललिता गास्पर, इस्तार डेनेस और लिया होर्वाथ को 47-43 से हराकर कांस्य पदक जीता।

बांग्लादेश चेस लीग - भारत के गुकेश नें किया 2991 रेटिंग का प्रदर्शन

ढाका ,

बांग्लादेश (निकलेश जैन) भारत में भले ही हम जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय शतरंज लीग के शुरू होने की सुगबुगाहट सुन रहे है लेकिन भारत का पड़ोसी देश बांग्लादेश इस मामले में थोड़ा आगे नजर आ रहा है । इस वर्ष बांग्लादेश की शतरंज लीग में भारत के कई खिलाड़ियों को शामिल किया गया है । ऑन द बोर्ड हो रहे इस मुक़ाबले में कुल 11 टीम के बीच राउंड रॉबिन मुक़ाबले चल रहे है । ग्रांड मास्टर सूर्या शेखर गांगुली और रौनक साधवानी की टीम बांग्लादेश पोलिस अपने सभी छह मैच जीतकर सबसे आगे चल रही है पर अब तक सबसे शानदार खेल दिखाया है दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर बनने वाले भारत के डी गुकेश नें , उन्होने अब तक खेले अपने सभी 5 मैच जीतकर 2991 का इतिहासिक

रेटिंग प्रदर्शन किया है और फिलहाल यह लीग का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है । बड़ी बात यह रही की इस दौरान बांग्लादेश विमान की ओर से खेल रहे गुकेश नें भारत के अनुभवी खिलाड़ी सूर्या शेखर गांगुली को पराजित कर बड़ा उलटफेर किया , बोगो इंडियन ओपेनिंग में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए गुकेश नें सूर्या को 57 चालों में पराजित कर दिया । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अधिबन भास्करन 4.5 अंक ,सूर्या गांगुली 4 अंक ,एसएल नारायनन 4.5 अंक ,अभिमन्यु पौराणिक 3.5 अंक ,अर्जुन एरिगासी 5 अंक ,रौनक साधवानी 4.5 अंक ,मित्रभा गुहा 5.5 अंक ,अनूप देशमुख 4.5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

खेलो इंडिया युवा खेल 2021 में योगासन को भी शामिल किया गया है : रीजीजू

नई दिल्ली । खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में विकसित करने के प्रयास के तहत इसे खेलो इंडिया युवा खेल 2021 में शामिल किया है। रीजीजू ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा कि सरकार ने देश में योगासन के विकास के लिये राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ (एनवाईएसएफ) को भी मान्यता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि योगासन खेल को पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खेलो इंडिया युवा खेल 2021 में शामिल किया गया है। रीजीजू ने कहा कि एनवाईएसएफ को सरकार से मान्यता मिलने से वह सीनियर, जूनियर और सब जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन तथा अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए वित्तीय सहायता हासिल करने का हकदार बन गया है। सरकार ने पिछले साल दिसंबर में योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता प्रदान की थी। योग गुरू बाबा रामदेव की अध्यक्षता में नवंबर 2019 में अंतरराष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ का गठन किया गया था। एचआर नागेंद्र इसके महासचिव बनाए गए थे।

बैडमिंटन : सायना और ईरा ऑर्लियंस मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

ऑर्लियंस (फ्रांस)।

भारत की सायना नेहवाल और ईरा शर्मा महिला एकल वर्ग में अपने-अपने मुकाबले जीत ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। सायना ने गुरुवार को राउंड 16 मुकाबले में फ्रांस की मारिए बातोमेने को 18-21, 21-15, 21-10 से हराया। महिला एकल वर्ग के एक अन्य मुकाबले में ईरा ने बुल्गारिया की मारिया मितसोवा को 21-18, 21-13 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। चौथी सीड सायना बातोमेने के खिलाफ पहले गेम में पिछड़ गई थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए बाद के दोनों गेम अपने नाम कर जीत हासिल की। 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना का सामना अमेरिका ईरिस वांग और फ्रांस की याएले होयाउक्स के बीच मुकाबले की विजेता खिलाड़ी से क्वार्टर फाइनल में मुकाबला होगा। विश्व रैंकिंग में 162वें स्थान पर मौजूद 21 वर्षीय ईरा ने 71वें रैंकिंग की मित्सोवा को हराया। ईरा का क्वार्टर फाइनल में सामना डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफर्सन से होगा। पुरुष युगल वर्ग में एमआर अर्जुन और ध्रुव कापिला ने राउंड 16 के मुकाबले में इंग्लैंड के रोरी एस्टोन और जाक रूस को 21-11, 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी का सामना अंतिम आठ में इंग्लिश जोड़ी कालम हेमिग और स्टीवन स्टालवुड से होगा। इससे पहले भारत की अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी महिला युगल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। अश्विनी और सिक्की को दूसरे राउंड में इंडोनेशिया की फेबरियाना कुसुमा और अमालिया प्रातिवी के खिलाफ मुकाबले में बाई मिला जिसके बाद इन्होंने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने बताया कि एक खिलाड़ी के कोरोना से संक्रमित होने के बाद इंडोनेशिया की महिला युगल जोड़ी हट गई। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, खिलाड़ी को होटल के कमरे में आइसोलेशन में रहने के लिए कहा गया है। वह अपनी युगल खिलाड़ी के साथ काफी करीब थी जिसके बाद उनकी जोड़ीदार को भी अलग कमरे में क्वारंटीन रहने के लिए कहा गया है।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई सुपरकिंग्स मुंबई में करेगी टूर्नामेंट की तैयारियां, टीम अधिकारी ने कही यह बात

चेन्नई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन बार का चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) नौ अप्रैल से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिये अब मुंबई में तैयारियां करेगा। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने आठ मार्च से एम ए चिदंबरम स्टेडियम में अभ्यास शुरू कर दिया था। उसने बुधवार तक यहां अभ्यास किया और गुरुवार को उसकी टीम मुंबई रवाना हो गई। सीएसके टीम के अनुसार टीम अब एक महीने तक मुंबई में रहेगी। सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस विश्वनाथन ने कहा कि खिलाड़ियों का मानना है कि यहां दो सप्ताह का शिविर काफी लाभकारी रहा। हमने चार या पांच दिन नेट्स पर भी अभ्यास किया। पिछले सत्र के बाद धोनी ने हमसे कहा था कि वह 2021 के टूर्नामेंट की तैयारी के लिए मार्च में चेन्नई पहुंच जाएंगे और वह इस पर कायम रहे। आईपीएल नौ अप्रैल से शुरू होगा और सुपरकिंग्स अपने पहले पांच मैच मुंबई में खेलेगा। उसका पहला मैच 10 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इसके बाद टीम लीग चरण के अन्य मैच दिल्ली, बेंगलुरू और कोलकाता में खेलेगी।

ईसीबी द हंड्रेड में आईपीएल टीमों को हिस्सेदारी दे सकता है : रिपोर्ट

लंदन. इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) कथित तौर पर द हंड्रेड टूर्नामेंट में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजीयों को हिस्सेदारी की पेशकश कर सकता है। आगामी टूर्नामेंट जो 100 गेंद के फॉरमेंट में खेला जाएगा। ईसीबी ने प्रतियोगिता के लिए भारत के स्टार खिलाड़ियों को लुभाने के लिए यह पेशकश करने का फैसला किया है। द टेलीग्राफ के अनुसार, ईसीबी टूर्नामेंट में प्रदर्शित होने वाले भारतीय खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) को एशियाई टेलीविजन अधिकारों में हिस्सेदारी देने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने हुए डे-नाइट टेस्ट के लिए भारत पहुंचे ईसीबी के चेयरमैन इयान वाटमोर और मुख्य कार्यकारी टॉम हैरिसन की बीसीसीआई अधिकारियों से बातचीत हुई थी। यह भी बताया गया है कि भारतीय खिलाड़ियों को महिलाओं के द हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा और पुरुषों के लिए अगले साल इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। अधिकारियों के बीच आगे की बैठक की योजना है और यह बैठक इस साल गर्मियों में भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे के दौरान हो सकती है। द हंड्रेड का आयोजन मूल रूप से 2020 में होने वाला था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज शुरू होने से ठीक पहले इस साल 21 जुलाई को ओवल में इस टूर्नामेंट शुरू होना था।

कोहली के अक्रामक रवैये पर स्टोक्स ने कहा- यह तरीका हमारे अनुकूल नहीं

पुणे ।

इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स ने गुरुवार को यहां कहा कि आक्रामक हाव भाव भले ही विराट कोहली और उनकी भारतीय टीम के अनुकूल हो लेकिन यह इंग्लैंड की कार्य प्रणाली पर फिट नहीं बैठता है। स्टोक्स से भारतीय कप्तान कोहली के क्षेत्ररक्षण करते समय या विकेट का जश्न मनाते हुए आक्रामक हाव भाव के संबंध में सवाल किया गया था। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले कहा कि प्रत्येक टीम और प्रत्येक खिलाड़ी मैदान पर विशेष तरह का रवैया अपनाते हैं जिससे कि उन्हें सफलता मिलती है।स्टोक्स ने कहा कि पिछले चार पांच वर्षों में यह तरीका हमारे लिए अनुकूल नहीं रहा है। हम उस पर कायम रहते हैं जो हमारे लिए सर्वश्रेष्ठ है और जिससे हमारी टीम बेहतर टीम बनती है। हर टीम का अपना तरीका होता है। भारत का अपना तरीका है और हमारा अपना। स्टोक्स से पूछा गया कि वह एक भले या आक्रामक विराट में से किसे पसंद करते हैं, उन्होंने जवाब दिया, ''निजी तौर पर मैं चाहता हूं कि वह रन नहीं बनाए क्योंकि यह हमारे लिए अच्छा नहीं है। पहले मैच में 66 रन से हार के बाद इंग्लैंड पर नंबर एक रैंकिंग गंवाने का खतरा मंडरा रहा है लेकिन स्टोक्स ने कहा कि उनके लिए प्रेरणातत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि हम नंबर एक के हकदार थे क्योंकि हमने अच्छे परिणाम हासिल किए और हमने अच्छी क्रिकेट खेली और हम उससे भटकेंगे नहीं।

नंबर एक होना वास्तव में अच्छी बात है लेकिन यह हमारे लिए प्रेरणातत्व नहीं है। जो रूट की अनुपस्थिति में इस आलराउंडर को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरना पड़ रहा है। स्टोक्स ने खुलासा किया कि उन्होंने इस नई भूमिका के लिए अपनी मानसिकता नहीं बदली है। मैंने असल में रूट से नंबर तीन पर उनकी मानसिकता के बारे में जानना चाहा था। उनका स्पष्ट संदेश था, तुम जैसा खेलते हो, वैसा खेलना जारी रखो। रूट का खेलने का अपना तरीका है और इसका मतलब यह नहीं है कि मैं भी उसी तरह से खेलूं। तीसरे नंबर पर मुझे 100 गेंदें खेलने को मिल सकती हैं जबकि अमूमन मुझे 60-70 खेलने को मिलती हैं। मैं बहुत अधिक बदलाव पर गौर नहीं कर रहा हूं। मुझे विशेषकर अपनी पारी की शुरुआत में थोड़ी भिन्न परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

नंबर-2 बनने से मुझे ऊर्जा मिली : डेनिल मेदवेदेव

विश्व के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी रूस के डेनिल मेदवेदेव का कहना है कि उन्हें कोई दबाव महसूस नहीं हो रहा क्योंकि अपनी रैंकिंग से उन्हें ऊर्जा मिली है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मेदवेदेव गत 15 मार्च को 2005 के बाद से नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, रोजर फेडरर और एंडी मरे के बाद पहले ऐसे खिलाड़ी बने जो शीर्ष दो में पहुंचे हैं। मेदवेदेव ने कहा, इसमें अब एक सप्ताह हो चुका है, मैं शायद दबाव महसूस कर सकता था लेकिन मुझे लगता है कि रैंकिंग से मुझे ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा, मैं बस बेहतर खेलना चाहता हूं जिससे खुद को साबित कर सकूं कि मैं इसका हकदार था और उम्मीद करता हूं कि मियामी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करूंगा।रूसी खिलाड़ी ने कहा, मास्टर इवेंट में टॉप सीड बनना, विशेषकर मियामी में और विश्व रैंकिंग में नंबर-2 होना ऐसा है जिसका मैं आनंद ले रहा हूं। मैं दबाव महसूस नहीं कर रहा सिवाय इसके कि मुझे मैच जीतना है और मैं हर वो टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं, जिसमें खेलूंगा। मेदवेदेव ने कहा, युवा अवस्था से ही यह दबाव मेरे साथ रहा है लेकिन मुझे लगता है कि प्रतिस्पर्धी दबाव अच्छा है। मैं बाहर से दबाव महसूस नहीं करता क्योंकि मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेलूंगा तो टूर्नामेंट जीतने की मेरी संभावना बढ़ जाएगी जो सबसे ज्यादा जरूरी है।

मैक्सिको ने ओलंपिक फुटबॉल क्वालीफाइंग मैच में अमेरिका को हराया

गुआदलाजारा (मैक्सिको) : यूरियेल एंटुना के 45वें मिनट में किये गोल की मदद से मैक्सिको ने ओलंपिक पुरूष फुटबॉल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में अमेरिका को 1.0 से हरा दिया। दोनों टीमें ग्रुप ए से सेमीफाइनल में जगह बना चुकी हैं।अमेरिका दूसरे स्थान पर रहा और उसका सामना होंडुरास से होगा। वहीं मैक्सिको लगातार 14वीं बार ओलंपिक क्वालीफायर जीता है और ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा। उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र से सेमीफाइनल जीतने वाली टीमें ओलंपिक के लिये 16 टीमों में जगह बनाएंगी।ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धा 21 जुलाई से सात अगस्त तक तोक्यो, काशिमा, मियागी, सैतामा, सापोरो और याकोहामा में होगी।

पुणे वनडे : सीरीज पर कब्जा करने उतरेगा भारत

पुणे।

विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया शुक्रवार को यहां महाराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे वनडे मैच को जीत सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी।भारत ने इसी मैदान पर खेले गए पहले वनडे मैच में इंग्लैंड को 66 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की थी। इस मैच में डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और क्रुणाल पांड्या ने भारत की जीत में अहम भूमिका अदा की थी। दूसरे वनडे में मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर चोट के कारण नहीं खेलेंगे। अय्यर को पहले मैच में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। यह देखना दिलचस्प होगा कि अय्यर की जगह किसे मौका दिया जाता है। ऐसी संभावना है कि सूर्यकुमार यादव उनकी जगह ले सकते हैं। भारत की तेज गेंदबाजी उसकी मजबूती बनकर उभरी है जिसमें बदलाव कर वह इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर रहा है। दूसरी तरफ इंग्लैंड के तेज गेंदबाज अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं और उसके लिए सबसे बड़ा झटका तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का चोटिल होने के कारण वनडे सीरीज से बाहर रहना है। विश्व चैंपियन इंग्लैंड 2019 विश्व कप की फॉर्म को बरकरार नहीं रख पा रही है। इंग्लैंड ने पिछले पांच वनडे में से चार मैच गंवाए हैं।इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी चिंता उसके मध्यक्रम बल्लेबाजों की खराब फॉर्म है। पहले वनडे में ओपनरों ने टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई थी और 14 ओवर में बिना विकेट खोए 135 रन बनाए थे। लेकिन

ओपनरों के पवेलियन लौटते ही मध्यक्रम और निचला क्रम कोई कमाल नहीं दिखा सका था।इस बीच, भारत ने पिछले साल न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में मिली हार के बाद इस सीरीज से वापसी की। घरेलू वातावरण में खेलने का टीम इंडिया को फायदा मिला। अगर भारत यह मुकाबला जीत जाता है तो वह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में तीनों प्रारूप में जीत हासिल कर लेगा। भारत ने इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 3-1 से और टी20 सीरीज 3-2 से जीती थी।

वोक्स आईपीएल फाइनल में खेलने के लिए न्यूजीलैंड टेस्ट मिस करने को तैयार

लंदन. अगर दिल्ली कैपिटल्स टीम इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में पहुंचती है तो इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस वोक्स इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच को मिस करने के लिए तैयार हैं। वोक्स, जिन्होंने सितंबर 2020 से एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है और नवंबर 2015 के बाद से एक भी टी20 मैच नहीं खेला है ने कहा कि वह साल के अंत में टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड टीम में जगह बनाने का इरादा रखते हैं। वोक्स ने समाचार पत्र द गार्जियन को बताया, अगर मैं दिल्ली के प्लेइंग इलेवन में नहीं हूं, तो मैं रिकी (दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग) और दूसरे लोगों से बात करूंगा। निश्चित रूप से मैं लॉर्डस में खेलना चाहता हूं, वहां मेरा रिकॉर्ड (11 रन पर 27 विकेट) है। साथ ही बल्ले से भी मेरा प्रदर्शन वहां अच्छा रहा है।32 साल के वोक्स ने कहा कि आईपीएल के फाइनल में खेलने का मौका कुछ ऐसा नहीं है जिसे वह मिस करना चाहते हैं। आईपीएल का फाइनल 30 मई को होना है जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट दो जून को लॉर्डस में शुरू होगा। वोक्स ने कहा, इंग्लैंड चाहता है कि हम आईपीएल में अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं और अपने करियर के इस चरण में, इस तरह के अधिक अवसर सामने नहीं आएंगे। अगर इसका मतलब है कि एक टेस्ट में मैं नहीं खेलता हूं तो मैं तो मेरे लिए यह कोई बड़ी बात नहीं होगी। खिलाड़ी एक अजीब स्थिति में हैं। हालांकि, यह गर्मी बड़ी है और इसमें कई सीरीज होनी है। भारत के साथ होने वाली सीरीज भी इसमें शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है

नींबू पानी

इसमें पानी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और शर्करा मौजूद होती है। नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। आज जानिए नींबू पानी के फायदे के बारे में।

नींबू बहुत ही गुणकारी है। कई रूपों में यह हमारे स्वास्थ्य के लिए फयदेमंद साबित होता है। नींबू विभिन्न विटामिन्स व मिनरल्स का खजाना माना जाता है। इसमें पानी, प्रोटीन, कारबोहाइड्रेट्स और शर्करा मौजूद होती है। नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। आज जानिए नींबू पानी के फायदे के बारे में। नींबू पानी हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है सिवाय उनके जिन्हें नींबू से एलर्जी होती है। यह खराब गले,कब्ज,किडनी स्टोन, और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया,वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

छोटे कदम रखना

चलते समय जिनके कदम छोटे होते हैं, उन्हें ऑस्टियोऑर्थराइटिस की आशंका हो सकती है। साथ ही अगर ऐसी महिलाएं हाई हील पहनने की आदी हैं तो उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ऐसे में हेमस्ट्रिंग और कॉफ ठीक से स्ट्रेच नहीं हो पाती है। घुटने संबंधी दोषों से भी ऐसा होता है।

आपकी चाल बताती है आपका स्वास्थ का हाल

आपकी चलने की चाल से आपके स्वास्थ का पता लगाया जा सकता है। एक नए अअध्यन में अमेरिकी शोधकर्ताओं ने हाल ही में चलने के तरीके और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाया है। भविष्य में अगर आपको किन्हीं स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा है तो इसका अंदाजा चलने के तरीके से आसानी से लगाया जा सकता है।

धीमी चाल

यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के शोधकर्ताओं के अनुसार चलने की गति भी सेहत का हाल बताती है। जो लोग एक घंटे में 3.6 किलोमीटर या उससे ज्यादा चल लेते हैं, उन्हें ऑर्थराइटिस का खतरा काफी कम होता है। वहीं, अगर किसी युवा व्यक्ति की चलने की औसत गति प्रतिघंटा इससे कम है और उसे जोड़ों में दर्द की शिकायत भी रहती है तो यह ऑर्थराइटिस का पूर्व संकेत हो सकता है। भले ही आप फिट हैं, लेकिन भविष्य में इसकी आशंका बढ़ सकती है।

मॉडल जैसी चाल

अगर आपकी आदत किसी मॉडल के समान चलने की है तो आपको पीठ दर्द की शिकायत हो सकती है। आमतौर पर चलते या दौड़ते समय कमर के नीचे की छोटी मसल ग्लूटिअस मीडिअस काम करती है, जो पेल्विस (पिंडली) को स्थिर और पैरों को सीधा रखने का काम करती है। आरामदायक जीवनशैली के चलते यह मसल कमजोर होने लगती है, जिससे पीठ पर अधिक स्ट्रेस पड़ता है।

सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी

सीढ़ियां चढ़ते-उतरते समय पैर के अंगूठे के जोड़ में दर्द होता है तो यह बुनियन का लक्षण है। इस समस्या में चढ़ते-उतरते समय जब अंगूठा मुड़ता है तो जोड़ आपस में घिसते हैं, तभी दर्द होता है।

पैदल चलने में कठिनाई होना

जब चलते समय शरीर एक ओर झुकने लगें तो यह ऑस्टियोऑर्थरिटीक हिप का संकेत हो सकता है। शरीर का वजन जब हिप्स नहीं संभाल पाते हैं, तब ऐसा होता है। हालांकि कई बार एक हाथ से अधिक वजन उठाने से भी ऐसा होता है। ऐसे में स्पाइन झुक जाती है और पीठ के निचले हिस्से पर अधिक स्ट्रेस पडने से दर्द भी हो सकता है।

बार-बार पानी पीने से भी

प्यास शांत नहीं होती?

गर्मी के मौसम में शरीर का जल का अंश कम हो जाता है, वातावरण की गर्मी व धूप से वह तपने लगता है। ऐसे में प्यास बढ़ जाती है, बार-बार पानी पीने से भी प्यास शांत नहीं होती, ऐसे में

निम्नलिखित प्रयोग करें

- पानी में शहद मिलाकर कुल्ला करने या लौंग को मुंह में रखकर चूसने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- अनन्नास का ऊपरी छिल्का और भीतरी कठोर भाग निकाल कर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर, इन टुकड़ों को पानी में पकाकर नरम बनाएं और फिर चीनी की चाशनी बनकर उसमें डाल दें। इस मुरब्बे जैसे ज्यूस का सेवन करने से प्यास बुझती है तथा शरीर की जलन शांत होती है, इससे हृदय को बल मिलता है।
- गाय के दूध से बना दही 125 ग्राम, शकर 60 ग्राम, घी 5 ग्राम, शहद 3 ग्राम व काली मिर्च-इलायची चूर्ण 5-5 ग्राम लें। दही को अच्छी तरह मलकर उसमें अन्य पदार्थों को मिलाएं और किसी स्टील या कलई वाले बर्तन में रख दें। उसमें से थोड़ा-थोड़ा दही सेवन करने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- जौ के भुने सत्तू को पानी में घोलकर, उसमें थोड़ा सा घी मिलाकर पतला-पतला पीने से भी प्यास शांत होती है।
- चावल के मांड में शहद मिलाकर पीने से भी तृष्णा रोग में आराम मिलता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

समुद्र में लगा भीषण ट्रैफिक जाम! स्वेज नहर में फंसा विशाल कंटेनर जहाज

दुबई। मिस्र की स्वेज नहर में एक विशाल कंटेनर जहाज के फंसने से समुद्र में जाम लग गया है। इस कंटेनर को दुनिया के सबसे विशाल मालवाहक कंटेनर जहाज में से एक माना जाता है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि कोरोना वायरस के कारण पहले से प्रभावित वैश्विक नौवहन प्रणाली के लिए यह एक और बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। 'एमवी एवर गीवन' पनामा-ध्वजयुक्त कंटेनर जहाज जो एशिया और यूरोप के बीच चलता है, मंगलवार को एक संकीर्ण मानव निर्मित जलमार्ग में फंस गया, जो महाद्वीपीय अफ्रीका को सिनाई प्रायद्वीप से विभाजित करता है। जहाज के इस तरह फंसने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। 'एवरग्रीन मरीन कोर' ने हालांकि एक बयान में बताया कि तेज हवाओं के कारण ऐसा हुआ, लेकिन उसका एक भी कंटेनर डूबा नहीं है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 54 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, पांच नौकाएं जब्त कीं

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने अपने जल क्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में कम से कम 54 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी पांच नौकाएं जब्त की हैं। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। नौसेना ने मछुआरों को बुधवार को उत्तरी तट और उत्तर पूर्व के इलाकों से गिरफ्तार किया। नौसेना ने बयान में कहा,'' विदेशी मछुआरों के श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने से स्थानीय मछुआरा समुदाय पर और श्रीलंका के मत्स्य संसाधन पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए नौसेना श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध मत्स्य गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए लगातार गश्त कर रही है।'' नौसेना ने जाफना के कोविलान के तट से तीन समुद्री मील दूर भारतीय मछुआरों की एक बड़ी नौका जब्त की, उसमें 14 लोग सवार थे। बयान में कहा गया कि दो और नौकाएं मन्नार में पेसालाई से सात समुद्री मील दूर पकड़ी गईं, इनमें 20लोग सवार थे। नौसेना ने कहा कि उसने पहले भी भारतीय प्राधिकार को इस प्रकार की घटनाओं की जानकारी दी है।

सड़क पर लगे बम से टकराई यात्रियों से भरी बस, अब तक 4 की मौत

नैरोबी। केन्या में सोमालिया सीमा के निकट मंडेरा काउंटी में एक बस के मुख्य सड़क पर लगे बम से टकराने से चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मंडेरा के गवर्नर अली रोबा ने बुधवार को घटना की पुष्टि की। घटना के समय बस मंडेरा कस्बे की ओर जा रही थी। किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसके पीछे सोमालिया के आतंकवादी संगठन अल-शबाब का हाथ होने का संदेह है, जो अलकायदा के साथ मिलकर केन्या में इस तरह के कई हमले कर चुका है।

शेख हसीना से मुलाकात करेंगे पीएम मोदी, वाणिज्यिक मामलों पर होगी चर्चा

ढाका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की उनकी समकक्ष शेख हसीना के बीच इस सप्ताह होने वाली शिखर वार्ता के दौरान मुख्य रूप से संपर्क तथा वाणिज्यिक मामलों, जल प्रबंधन, सुरक्षा और सीमा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। बुधवार को मीडिया में आई एक खबर में यह बात कही गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोरोना वायरस संबंधी महामारी फैलने के बाद से पहली बार विदेश यात्रा पर 26 मार्च को बांग्लादेश पहुंचेंगे। इस दौरान वह बांग्लादेश के 50वें स्वतंत्रता दिवस और इसके संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के जन्मशती समारोह में शिरकत करेंगे। यात्रा के दौरान मोदी प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ वार्ता करेंगे। दोनों पक्षों द्वारा इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कई सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए जाने की भी उम्मीद है। प्रथम आला समाचार पत्र की खबर के अनुसार, बांग्लादेश व्यापार और वाणिज्य में वृद्धि के लिए भारत के साथ संपर्क बढ़ाना चाहता है। इस परिप्रेक्ष्य में बांग्लादेश आगामी शिखर सम्मेलन के दौरान संपर्क और वाणिज्यिक मामलों पर जोर देगा।

अमेरिकी अधिकारियों की फटकार के बाद एस्ट्राजेनेका ने कोरोना टीके को 76 प्रतिशत तक बताया प्रभावी

वाशिंगटन। ब्रिटेन-स्वीडेन दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अमेरिकी अधिकारियों से मिली फटकार के बीच बुधवार को कहा कि उसका कोविड-19 रोधी टीका अत्यंत प्रभावी है। एस्ट्राजेनेका ने देर रात जारी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उसने अध्ययन के आंकड़ों की पुनर्गणना की और इस नतीजे पर पहुंची कि यह टीका कोरोना वायरस संक्रमण के ऐसे मामलों में 76 प्रतिशत तक प्रभावी है, जिनमें संक्रमण के लक्षण होते हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में किए गए अध्ययन में उसने टीके के 79 प्रतिशत तक प्रभावी होने का दावा किया था। एक दिन पहले ही अध्ययन का विश्लेषण करने वाली एक स्वतंत्र समिति ने एस्ट्राजेनेका पर आंकड़ों को छिपाने का आरोप लगाया था। समिति ने कंपनी और अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों को कड़े शब्दों में लिखे पत्र में कहा कि कंपनी ने अध्ययन में जिक्र किए गए कुछ कोविड-19 मामलों को छोड़ दिया है।

कर्ज लेकर कोरोना से निपटेगा पाकिस्तान, आईएमएफ ने मंजूर की $ 50 करोड़ के लोन की गुहार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बड़ी राहत दी है। आईएमएफ ने आर्थिक मोर्चे पर बुरी तरह घिरी इमरान खान की सरकार को 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कर्ज के भुगतान की मंजूरी दे दी है। कोरोना महामारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को इस कर्ज से लोगों का जीवन बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। खास बात यह है कि आईएमएफ से पाकिस्तान को राहत ऐसे समय मिली है जब भारत के साथ उसके अच्छे संबंधों की सुगबुगाहट शुरू हुई है।

पाक को तत्काल मिलेंगे 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर

आईएमएफ के एग्जीक्यूटिव बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद पाकिस्तान को तत्काल 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान होगा। आईएमएफ ने अपने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान को आने वाले समय में करीब दो अरब अमेरिकी डॉलर का कर्ज मिलेगा।

इसको लेकर आईएमएफ ने कहा है कि 'कोरोना संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को इस कर्ज से अपने लोगों की आजीविका में सुधार लाने और अर्थव्यवस्था के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। यह राहत आर्थिक गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ ऋण में स्थिरता लाएगी। इससे देश में होने वाले विकास से पाकिस्तानी लोगों को लाभ पहुंचेगा।'

आर्थिक मोर्चे पर घिरी है इमरान सरकार

गौरतलब है कि इमराम के सत्ता में आने के बाद अर्थव्यवस्था और डंवाडोल हो गई। इमरान खान की सरकार इस समय कोरोना, महंगाई, भ्रष्टाचार सहित आर्थिक मोर्चे जैसे आंतरिक समस्याओं से घिरी हुई है। फाइनेंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफएटीएफ) में मामला चलने की वजह से उसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से कर्ज मिलना करीब-करीब बंद हो गया है। ऐसे में आईएमएफ ने उसे एक बड़ी राहत दी है। इमरान खान कुछ दिनों पहले कह चुके हैं कि फंड की कमी होने के चलते उनकी सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा पर ज्यादा खर्च नहीं कर पा रही है।

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पाकिस्तान की विदेश नीति का आधार है: राष्ट्रपति अल्वी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

शांतिपूर्ण सहअस्तित्व को पाकिस्तान की विदेश नीति की आधारशिला करार देते पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका देश दक्षिण एशिया क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास चाहता है। 'पाकिस्तान दिवस' के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक सैन्य परेड को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति अल्वी ने यह टिप्पणी की। पाकिस्तान दिवस (23 मार्च) के दिन 'खराब मौसम÷ के कारण इसे स्थगित कर दिया गया और अब दो दिन बाद इसका आयोजन किया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इसकार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए क्योंकि कोविड-19 से पीड़ित होने की वजह से फिलहाल वह पृथकवास में हैं। अल्वी ने कहा, 'शांतिपूर्ण सहअस्तित्व पाकिस्तान की विदेश नीति की आधारशिला है।

यह हालात की मांग है कि दक्षिण एशियाई नेता क्षेत्र को प्रगति के रास्ते पर ले जाने के लिये नफरत, पूर्वाग्रह और धार्मिक कट्टरपंथ की राजनीति को खारिज करें।' राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण एशिया में

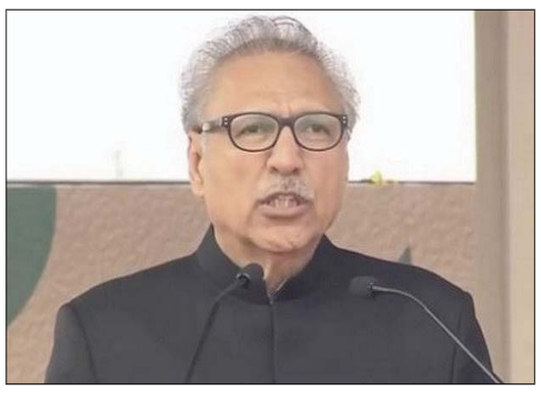

शांति सुनिश्चित करने के लिये कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है। भारत पूर्व में पाकिस्तानी नेताओं द्वारा दिये गए कश्मीर के सभी संदर्भों को खारिज कर चुका है और इस बात पर जोर देता है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न व अविभाज्य हिस्सा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि वह आतंकवाद, बैर व हिंसा मुक्त माहौल में पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसियों जैसे रिश्ते रखने की इच्छा रखता है और आतंकवाद व वैमनस्य मुक्त माहौल तैयार करने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। राष्ट्रपति अल्वी ने अपने संबोधन में कहा कि पाकिस्तान अच्छी मंशा और शांति के साथ आगे बढ़ना चाहता है लेकिन 'शांति की हमारी इच्छा को हमारी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।'

अल्वी ने कहा कि पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता की सुरक्षा करने और किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिये सक्षम है। उन्होंने कहा, 'हम अपनी स्वतंत्रता की हर कीमत पर सुरक्षा करेंगे।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समूचे क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास चाहता है और इसके लिये उसने व्यवहारिक कदम भी उठाए हैं। अल्वी ने कहा कि पाकिस्तान एक मजबूत परमाणु शक्ति है और रक्षा क्षेत्र में उसने आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने इस बात पर भी संतोष व्यक्त किया कि पाकिस्तान अपने रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहा है। समारोह की शुरुआत पाकिस्तानी वायुसेना और पाकिस्तानी नौसेना के लड़ाकू विमानों के 'फ्लाई पास्ट' से हुई। पाकिस्तानी सेना, वायुसेना और नौसेना की टुकड़ियों के अलावा स्पेशल सर्विसेज ग्रुप्स, फ्रंटियर कोर, रेंजर्स और पुलिस बलों के दस्तों ने भी परेड में हिस्सा लिया।

कालादान परियोजना जिसके जरिए कोलकाता से सीधे जुड़ जाएगा म्यांमार!

यांगार। (एजेंसी)।

म्यांमार को भारत के उत्तर-पूर्व से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कलादान परियोजना काफी तेजी से गति पकड़ रही है। आपको बता दें कि यह परियोजना भारत के साउथ-ईस्ट एशिया से जोड़ने का छोटा सा रास्ता बन जाएगा जिससे नए व्यापार को काफी मौके मिलेंगे। इस परियोजना को साल 2031 तक पूरा करने की उम्मीद है। यह नया रूट पूर्वोत्तरों के लिए एक प्रवेश द्वार होगा, जो कोलकाता से मिजोरम की दूरी लगभग एक हजार किलोमीटर कम करेगा और यात्रा के समय को चार गुना कम कर देगा।

जानकारी के मुताबिक, मिजोरम में भारत-म्यामांर बॉर्डर पर बसा आखिरी गांव जिसे साल 2008 तक काकीचुआ के नाम से जाना जाता था, लेकिन बाद में जब कालादान प्रोजेक्ट की शुरूआत भारत और म्यामांर के बीच हुई तब इसका नाम बदलकर जोरिनपुई रख दिया गया। जोरिनपुई का मतलब होता है ÷मिजो की सबसे बड़ी उम्मीद÷। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद जोरिनपुई गेट वे ऑफ एशिया बन जाएगा। आपको बता कोलकाता से म्यांमार फिर म्यांमार से मिजोरम तक का रास्ता इस परियोजना के जरिए शुरू होगा जिसमें समुद्र , जमीन और रास्ते तीनों शामिल हैं।

कलादान परियोजना, एक रणनीति!

कलादान मल्टी-मोडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट कोलकाता को मिज़ोरम से म्यांमार में सिटवे बंदरगाह के माध्यम से जोड़ेगी। आपको बता दें कि सिलिगुढ़ी कॉरिडॉर ही अभी एकमात्र ऐसा रास्ता है जिसके जरिए भारत के नॉर्थ ईस्ट के राज्यों तक सड़क के जरिए पहुंचा जा सकता है। अगर यह ब्रॉल्क हो जाता है तो इससे भारत के लिए दिक्कतें पैदा हो सकती है।

पाकिस्तान की माफी के लिए अब भी लड़ रहे बंगाली हिंदू नरसंहार पीड़ित

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

एक प्रभावशाली अमेरिकी सांसद ने यहां कहा कि बांग्लादेश में 50 साल पहले नरसंहार के पीड़ित बंगाली हिंदू अब भी पाकिस्तान द्वारा माफी मांगे जाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के लोग पीड़ितों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए उनके साथ खड़े हैं। संसद के पाकिस्तान कॉकस की सह अध्यक्ष और डेमोक्रेटिक सांसद शीला जैक्सन ली ने मंगलवार को प्रतिनिधि सभा में अपनी टिप्पणी में कहा कि 25 मार्च को बांग्लादेश में औपचारिक तौर पर नरसंहार शुरू होने के तौर पर मनाया जाता है।

ली ने कहा, ÷बांग्लादेश में नरसंहार के 50 साल हो चुके हैं और पीड़ित और उनके वंशज अब भी पहचान के लिये संघर्ष कर रहे हैं, वे पाकिस्तान द्वारा अब भी माफी मांगे जाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं, और जैसा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री (शेख हसीना) ने पूर्व में अपने

पाकिस्तानी समकक्ष (इमरान खान) से जनवरी 2021 में भी कहा था, वे अब भी न्याय और इस संताप के खत्म होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई बर्बरता और बंगाली हिंदुओं को महज उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाए जाने की निश्चित रूप से कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए, क्योंकि धार्मिक स्वतंत्रता सबसे पवित्र मानवाधिकार है।

तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में 25 मार्च 1971 की रात को पाकिस्तानी सेना ने बर्बर हमला किया था जब बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान को 1970 के आम चुनावों में यहां शानदार जीत मिली थी। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ 1971 में मुक्ति संग्राम की शुरुआत हुई। इस युद्ध में पाकिस्तान का विभाजन हुआ और भारतीय सेना की सहायता से बांग्लादेश बना। करीब नौ महीने चली जंग में आधिकारिक तौर पर करीब 30 लाख लोग मारे गए थे।

भारत के रूस के साथ पुराने संबंध, अमेरिका को यह समझने की जरूरत: अमेरिकी एडमिरल

वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष एडमिरल ने सांसदों से कहा कि अमेरिका को यह समझने की जरूरत है कि सुरक्षा सहयोग और सैन्य साजो सामान के लिए भारत के रूस के साथ पुराने संबंध हैं। साथ ही एडमिरल ने संकेत दिए कि वह प्रमुख रक्षा साजो सामान खरीदने के लिए प्रतिबंधों का सहारा लेने के बजाय भारत को रूस से विमुख करने की कोशिश करेंगे। एडमिरल जॉन एक्वीलिनो ने अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के अगले कमांडर के तौर पर मंगलवार को अपने नाम की पुष्टि के लिए हुई सुनवाई में यह कहा। वह रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली खरीदने के भारत के फैसले पर पूछे गए सीनेटर जीन शाहीन के सवाल का जवाब दे रहे थे। शाहीन ने पूछा, ''क्या हमें भारत पर प्रतिबंध लगाना चाहिए अगर वह एस-400 खरीदते हैं तो?'' इस पर एक्वीलिनो ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह फैसला मैं नीति निर्माताओं पर छोड़ दूंगा। मुझे लगता है कि हमें यह समझना चाहिए कि हम भारत के साथ कहां खड़े हैं और मुझे लगता है कि विकल्प उपलब्ध कराने का कदम ज्यादा बेहतर है।'' उन्होंने कहा, ''भारत सच में एक शानदार साझेदार है और जैसा कि हमने हाल की क्वाड वार्ता में देखा तो मुझे लगता है कि क्वाड में भारत और अन्य देशों की महत्ता बढ़ेगी। हमारे रिश्ते संतुलित हैं।

विदेशी ब्रांड और जूतों की कंपनियों पर क्यों गुस्सा हो रहा चीन? उइगर मुस्लिम के कारण बढ़ा विवाद

बीजिंग।चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग में मानवाधिकार उल्लंघन का जिक्र करने पर विदेशी ब्रांड 'एच एंड एम' तथा कपड़े और जूतों की अन्य कंपनियों की निन्दा की है। दरअसल पार्टी की यूथ लीग ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया एकांउट पर 'एच एंड एम' के मार्च 2020 के एक बयान का जिक्र किया जिसमेंकहा गया था कि वह शिनजियांग में उगाया गया कपास नहीं खरीदेगा। स्वीडन के इस ब्रांड ने कहा था कि वह शिनजियांग क्षेत्र में जबरन मजदूरी कराए जाने की खबरों से ''बेहद चिंतित'' है। बृहस्पतिवार को पार्टी के समाचारपत्र 'ग्लोबल टाइम्स'ने कहा कि अन्य कंपनियों-बारबेरी, एडिडास, नाइक और न्यू बैलेंस ने भी दो वर्ष पूर्व शिनजियांग के कपास को लेकर ''प्रतिकूल टिप्पणियां'' की थीं। मशहूर गायक और अभिनेता वांग सिबो सहित अन्य हस्तियों ने भी 'एच एंड एम' तथा नाइकी के साथ विज्ञापन अनुबंध समाप्त करने के घोषणा की थी। विदेशी विश्लेषकों और सरकारों के अनुसार चीन के शिनजियांग प्रांत में दस लाख से अधिक लोगों को कामकाजी शिविरों में कैद कर रखा गया है और उनसे जबरन काम कराया जाता है। इनमें से ज्यादातर लोग उइगर मुस्लिम जातीय समूह से हैं। सोमवार को यूरोपीय संघ, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा ने संयुक्त रूप से चीन के चार वरिष्ठ अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध और वित्तीय प्रबिबंध लगाने की घोषणा की थी। चीन के सरकारी टेलीविजन पर बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा गया,''एच एंड एम कैसे चीनी चावल खाकर उस बर्तन को तोड़ सकती है।

अमेरिका को धमकी देने के बाद उत्तर कोरिया ने किया कम दूरी की मिसाइलों का परीक्षण

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के पदभार संभालने के बाद बृहस्पतिवार को पहली बार बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया का यह कदम अमेरिका के साथ कूटनीति में आए गतिरोध के बीच जो बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने और अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए फिर से परीक्षण शुरू करने की ओर संकेत करता है। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने कहा कि यह परीक्षण ''जापान तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा'' के लिए खतरा है और तोक्यो उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के साथ करीबी समन्वय बनाए रखेगा। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर सुबह करीब सात बजकर छह मिनट और सात बजकर 25 मिनट पर मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों ने समुद्र में गिरने से पहले 450 किलोमीटर की यात्रा तय की। अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के प्रवक्ता कैप्टन माइक काफ्का ने कहा कि अमेरिकी सेना को मिसाइलों के बारे में जानकारी है और वह सहयोगियों के साथ करीबी परामर्श करते हुए स्थिति पर नजर रख रही है। काफ्का ने कहा, ''यह गतिविधि दिखाती है कि उत्तर कोरिया के अवैध हथियार कार्यक्रम से उसके पडोसियों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को खतरा है।'' यह मिसाइलें ऐसे समय में दागी गई हैं जब एक दिन पहले अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने इस सप्ताहांत कम दूरी की मिसाइलों का परीक्षण किया जिसे क्रूज मिसाइलें माना जा रहा है। उत्तर कोरिया का अमेरिका के नए प्रशासन को मिसाइल परीक्षणों के जरिए आजमाने का इतिहास रहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आगामी हफ्तों में उत्तर कोरिया पर अपनी नीति की समीक्षा पूरी करने से पहले बाइडन प्रशासन इस पर क्या प्रतिक्रिया देगा। अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध पैदा होने के बीच उत्तर कोरिया ने यह परीक्षण किए हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फरवरी 2019 में दूसरी शिखर वार्ता नाकाम होने के बाद गतिरोध पैदा हुआ। उस वार्ता में अमेरिका ने उत्तर कोरिया की उस मांग को खारिज कर दिया था जिसमें उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को आंशिक रूप से बंद करने के बदले में उस पर लगाए प्रमुख प्रतिबंधों को हटाने के लिए कहा था। उत्तर कोरिया ने अभी तक बाइडन प्रशासन की बातचीत की कोशिशों को नजरअंदाज किया है। किम की बहन ने पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यासों को लेकर अमेरिका को धमकाया था। उन्होंने इन अभ्यासों को घुसपैठ का पूर्वाभ्यास बताया और वाशिंगटन को चेतावनी दी कि ''अगर वह अगले चार साल शांति से सोना चाहता है तो गड़बड़ी पैदा करने से दूर रहे।'' दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रविवार को उत्तर कोरिया द्वारा किया गया कम दूरी की मिसाइलों का परीक्षण अप्रैल 2020 के बाद से उसका पहला मिसाइल परीक्षण है। बाइडन ने इसे खास तवज्जो न देते हुए कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अस्पताल जाने को नहीं मिला वाहन

उपचार के अभाव में 5 साल की बच्ची की मौत

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर में कोरोना संक्रमण बढ़ने से लगाए गए रात्रिकालीन कर्फ्यू के दौरान कई लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कर्फ्यू की वजह से श्रमिक परिवार की पांच साल की बच्ची को अस्पताल ले जाने के लिए कोई वाहन नहीं मिला। बच्ची को उठाकर मां दौड़कर अस्पताल पहुंचना चाहती थी। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के गोवालक नगर निवासी श्रमिक परिवार की 5 वर्षीय अर्चना छोटुनाथ मिस्त्री की

कल देर रात तबियत अचानक बिगड़ गई। रात 9 से 9.30 बजे के दौरान अर्चना को उल्टी-दस्त होने लगे। एक तो अर्चना की मां के पास मोबाइल नहीं था और दूसरा रात्रिकालीन कर्फ्यू की वजह से सड़क कोई वाहन नहीं दिख रहा था। बच्ची की हालत बिगड़ती देख मां ने उसे गोद में उठाया और अस्पताल की ओर दौड़ पड़ी। शहर के आशापुरी ब्रिज के निकट एक ऑटो रिक्शा मिली, लेकिन उसने कर्फ्यू होने से अस्पताल ले जाने से इंकार कर दिया। बेटी को लेकर फिर एक बार मां दौड़ने लगी। दौड़ते दौड़ते सोशियो सर्कल तक पहुंच गई। तब उसे अहसास हुआ कि बेटी निष्प्राण हो चुकी है। बेटी की मौत पर मां वहीं आक्रंद करने लगी और उसे गोद में उठाकर वापस घर लौट आई। कुछ देर में बच्ची के पिता और मामा नौकरी से घर आ गए। एम्ब्युलैंस 108 को फोन कर बच्ची की मौत के बारे में जानकारी दी। मौत की खबर सुनकर एम्ब्युलैंसकर्मी ने तुरंत पुलिस को इत्तला दे दी। रातभर बच्ची के शव का शव घर में रखा रहा, सुबह पुलिस आई और बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए नए सिविल अस्पताल भेज दिया। मृतक बच्ची के मामा राजा शर्मा ने बताया कि अर्चना अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। छोटुनाथ मिस्त्री बिहार जिले के अरवल जिले के निवासी है और एक महीने पहले ही रोजगार के लिए सूरत आया था।

होली-धुलेंडी को लेकर अहमदाबाद पुलिस आयुक्तने जारी की अधिसूचना

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, आगामी होली-धुलेंडी पर्वर को लेकर अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव ने अधिसूचना जारी की है। जिसके मुताबिक होली पर्व पर परंपरागत रूप से मर्यादित संख्या में होलिका दहन किया जा सकेगा। साथ ही होली की प्रदक्षिणा और धार्मिक विधि भी की जा सकेगी। लेकिन होलिका दहन के दौरान भीड़ एकत्र न हो और कोविड नियमों का कड़ाई से पालन हो, इसकी जिम्मेदारी आयोजक की होगी। होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी पर सार्वजनिक रंगोत्सव और सामूहिक कार्यक्रम पर प्रतिबंध रहेगा। होली-धुलेंडी के त्यौहार में सार्वजनिक स्थलों से गुजरते राहगिरों, वाहन, मकान या वाहनों में आने-जाने वाले लोगों पर रंग, कीचड़, रंग मिश्रित पानी या तैली समेत ऐसी कोई वस्तु डालने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही होली-धुलेंडी पर स्त्रयों की उगाही या अन्य किसी ईरादे से राहगिरी या वाहनों को रोका नहीं जा सकेगा। आदेश का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात में कोरोन ने पकड़ी रफ्तार

24 घंटों में 1961 नए मरीज, 7 मरीजों की मौत

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गुजरात में कोरोना लगातार रफ्तार पकड़ता जा रहा है। बुधवार को गुजरात में कोरोना के 1790 केस सामने आए थे। 24 घंटों में कोरोना के केस बढ़कर 1961 पर पहुंच गए हैं। गुरुवार को राज्य में 1405 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है और ७ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 551 केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं। वहीं सूरत में 501, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 164, राजकोट कॉर्पोरेशन में 146, सूरत में 127, नर्मदा में 27, जामनगर कॉर्पोरेशन और पाटन में 24-24, भावनगर कॉर्पोरेशन में 22, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 21, जामनगर और वडोदरा में 20-20, बनासकांठा, दाहोद और कच्छ में 19-19, खेडा और मेहसाणा में 18-18, गांधीनगर में 17, अमरेली, आणंद और सुरेन्द्रनगर में 16-16, महीसागर और साबरकांठा में 15-15, मोरबी में 13, भरुच और नवसारी में 11-11 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 1961 नए केस सामने आए हैं। सूरत कॉर्पोरेशन में 4, महीसागर में 2 और अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1 समेत राज्य में 7 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। इसी के साथ राज्य में अब तक 4473 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटों में 1405 मरीजों के साथ राज्य में अब तक कुल 280285 मरीज कोरोना को मात देकर अपने घरों को लौट चुके हैं। राज्य में रिकवरी रेट 95.29 प्रतिशत है। राज्य में अब तक कुल 4485319 लोगों को कोरोना का पहला और दूसरा टीका लगाने की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। आज 60 वर्ष से अधिक आयु के और 45 से 60 साल के गंभीर बीमारियों से पीड़ित 178796 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया।

सार-समाचार

विधानसभा के बजट सत्र में नहीं होगी कटौती: मुख्यमंत्री

कामकाज के शेष दिनों में वित्त सहित अन्य विधेयक पारित किए जाएंगे

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि गुजरात विधानसभा के वर्तमान बजट सत्र में कटौती करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस संबंध में आगे कहा कि सदन के कामकाज के अब चार दिन ही बचे हैं और विधानसभा सत्र निर्धारित समय के अनुसार 1 अप्रैल को ही पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विधानसभा के कामकाज में अब कल से होली-धुलंडी के त्यौहारों की तीन दिन की छुट्टी है। उसके बाद जब सत्र शुरूहोगा तो बजट सत्र के वित्त विधेयक समेत अन्य शेष विधेयकों को भी सदन में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा का बजट सत्र 1 अप्रैल, 2021 तक चलेगा और सत्र को छोटा नहीं किया जाएगा।

होली-धुलेंडी पर खुला रहेगा अंबाजी मंदिर, नहीं खेली जाएगी फूलों से होली

अहमदाबाद,विख्यात शक्तिपीठ अंबाजी मंदिर होली-धुलेंडी के अवसर पर खुला रहेगा, लेकिन अबकी बार फूलों से खेली जानेवाली होली नहीं होगी। राज्य में बढ़ते कोरोना संकट को देखते हुए यह फैसला किया गया है। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिला स्थित 51 शक्तिपीठों में से एक अंबाजी मंदिर में प्रति दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। पिछले कई दिनों से राज्यभर में कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। कोरोना की केसों की वृद्धि को देखते हुए सरकार ने आगामी होली-धुलेंडी के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। सीमित संख्या में लोगों की उपस्थिति के बीच होलिका दहन को मंजूरी सरकार ने दी है। लेकिन धुलेंडी पर सार्वजनिक रंगोत्सव पर प्रतिबंध लगा दिया है। कोरोना संकट को देखते हुए द्वारकाधीश मंदिर होली-धुलेंडी पर श्रद्धालुओं के बंद रहेगा। हांलाकि द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-आरती अपने समय पर होगी। वहीं उत्तरी गुजरात स्थित अंबाजी मंदिर होली-धुलेंडी पर खुला रहेगा। परंतु धुलेंडी पर फूलों से खेली जानेवाली होली इस साल स्थगित कर दी गई है। राज्य सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक मंदिर ट्रस्ट ने फूलों से खेली जानेवाली होली स्थगित करने का फैसला किया है।

रिटायर्ड एएसआई की कोरोना से मौत, तबियत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती थे

राजकोट, शहर में रिटायर्ड एएसआई की कोरोना से मौत से परिवार समेत पुलिस बेडे में शोक व्याप्त है। राजकोट पुलिस कंट्रोल और एसीबी में सेवा कर चुके एएसआई अशोकभाई पन्नालाल घेलानी की एक सप्ताह पहले कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वह होमकोरन्टाइन थे और उपचार चल रहा था। दो दिन पहले तबियत बिगड़ने और सांस लेने में तकलीफ के बाद अशोकभाई को बीते दिन राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां देर रात अशोकभाई ने दम तोड़ दिया। अशोकभाई की मौत से परिवार समेत पुलिस बेड़े में शोक की लहर दौड़ गई। राजकोट में कोरोना का पहला केस सामने आने के बाद पुलिस द्वारा संबंधित क्षेत्रों को कंटेंटमेंट करने, संक्रमित मरीज के संपर्क में आनेवालों का ट्रेसिंग कर उन्हें कोरन्टाइन करने के अलावा लॉकडाउन व अनलॉक के दौरान लगातार पुलिस जवान और अधिकारियों के संपर्क में रहनेवाले

गुजरात के 345 मछुआरे पाकिस्तान की जेलों में कैद : जवाहर चावडा

गांधीनगर,गुरुवार को राज्य सरकार ने विधानसभा में बताया कि गुजरात के 345 मछुआरे पाकिस्तान की जेल में कैद हैं। जिसमें 248 मछुआरों को पिछले 2 साल में पकड़ा गया है। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस विधायक शैलेष परमार के प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्य के मत्स्य

विभाग के मंत्री जवाहर चावडा ने यह जानकारी दी। चावडा ने बताया कि 31 दिसंबर 2020 तक पाकिस्तान जेलों में 345 मछुआरे बंद हैं, जिसमें 248 मछुआरे पिछले दो साल में पकड़े गए हैं। वर्ष 2019 में 85 और वर्ष 2020 में 163 मछुआरों को पकड़ा गया था। गौरतलब है कि अरब सागर में मछली पकड़ने जाते गुजराती मछुआरे कभी अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा पार कर जाते हैं और उस वक्त पाकिस्तानी रेंजर्स उन्हें पकड़ कर पाकिस्तान ले जाते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

श्रीनगर में आतंकी हमले में दो सीआरपीएफ कर्मी शहीद, दो अन्य घायल

श्रीनगर। श्रीनगर के लॉवेपोरा इलाके में बृहस्पतिवार को हुए एक आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो कर्मी शहीद हो गए जबकि दो अन्य जवान घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में पारिम्पोरा पुलिस थाना क्षेत्र के लॉवेपोरा में आतंकवादियों ने सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलियां चलाईं। अधिकारी ने कहा कि सीआरपीएफ के चार कर्मी इस हमले के दौरान घायल हुए और उन्हें पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां पहुंचने से पहले ही एक अधिकारी की मौत हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि घायल कर्मियों को यहां के सैन्य अस्पताल में ले जाया गया जहां एक कांस्टेबल को बचाया नहीं जा सका। शहीद सीआरपीएफकर्मियों की पहचान उप निरीक्षक मांगे राम देव बर्मन और कांस्टेबल अशोक कुमार के तौर पर हुई है। इस हमले में कांस्टेबल नाजिम अली और जगन्नाथ रे घायल हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि जिस जगह हमला हुआ उस इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर पहले भी कई हमले और आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हो चुकी हैं।

केरल में भाजपा का घोषणापत्र लव जेहाद पर जहरीले वादों का घालमेल: थरूर

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए जारी भाजपा के घोषणापत्र को लेकर बृहस्पतिवार को उस पर निशाना साधा और कहा कि यह दस्तावेज 'लव जेहाद पर जहरीले दावों का घालमेल' है। उन्होंने ट्वीट किया, ''राजग ने केरल में घोषणापत्र जारी किया है जो 'लव जेहाद' पर जहरीले दावों , खोखले वादों और विरोधियों से चोरी की गई कल्याणकारी योजनाओं का घालमेल है।'' उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बुधवार को केरल विधानसभा चुनावों के लिये भाजपा के नेतृत्व वाले राजग का घोषणा-पत्र जारी किया। इसमें सबरीमला के लिए कानून और 卐लव जिहाद卐 के खिलाफ कानून के साथ ही हर परिवार से कम से कम एक सदस्य को रोजगार और हाई स्कूल के छात्रों के लिये मुफ्त लैपटॉप समेत कई वादे किये गए हैं।

राहुल गांधी ने कहा- आरएसएस को संघ परिवार कहना सही नहीं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को 'संघ परिवार' कहना सही नहीं है क्योंकि परिवार में महिलाएं होती हैं, बुजुर्गों के लिए सम्मान होता है, करुणा और स्नेह की भावना होती है जो इस संगठन में नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि वह अब आरएसएस को कभी संघ परिवार नहीं कहेंगे। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, ''मेरा मानना है कि आरएसएस व सम्बंधित संगठन को संघ परिवार कहना सही नहीं- परिवार में महिलाएं होती हैं, बुजुर्गों के लिए सम्मान होता, करुणा और स्नेह की भावना होती है- जो आरएसएस में नहीं है।

केरल में कई सीटों पर माकपा और भाजपा के बीच गुपचुप सहमति है: चांडी

कोयंबटूर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओम्मन चांडी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केरल में आगामी विधानसभा चुनाव में कई सीटों को लेकर माकपा तथा भाजपा के बीच गुपचुप सहमति है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री चांडी ने यहां संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस नीत यूडीएफ छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट को सत्ता से हटाने के लिये पुरजोर तरीकेप्रचार में जुटा है और उनकी पार्टी के गठबंधन को जीत हासिल होगी। तमिलनाडु के दक्षिण कोयंबटूर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार मयूर जयकुमार के लिये चुनाव प्रचार करने आए चांडी ने आरोप लगाया कि केरल में कई सीटों को लेकर माकपा और भाजपा के बीच गुपचुप सहमति है। इसके बाद चांडी ने जयकुमार के पक्ष में कई स्थानों पर प्रचार किया। जयकुमार का मुकाबला अभिनेता तथा मक्कल नीति मय्यम के प्रमुख कमल हासन और भाजपा उम्मीदवार वी श्रीनिवास से है।

पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं गुजरात के 345 मछुआरे, कांग्रेस ने उठाया मुद्दा

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में बताया कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की जेलों में राज्य के 345 मछुआरे बंद हैं, जिनमें से 248 मछुआरों को पिछले दो वर्षों में पकड़ा गया है। राज्य के मत्स्य मंत्री जवाहर चावड़ा ने अपने लिखित उत्तर में यह बात कही। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2020 तक पाकिस्तान की जेलों में गुजरात के 345 मछुआरे बंद हैं,जिनमें से 248 मछुआरों को पिछले दो वर्षों में पकड़ा गया है। वर्ष 2019 में 85 और वर्ष 2020 में 163 मछुआरों को पकड़ा गया था। मंत्री ने कांग्रेस विधायक शैलेश परमार के प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार इन मछुआरों को रिहा कराने के प्रयास कर रही है और उसने गृह मंत्रालय के पास जरूरी प्रमाण जमा करा दिए हैं। एक संबंधित प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि सरकार ने पोरबंदर में मछुआरों को अपनी नौकाओं में जीपीएस लगवाने के लिए 37.70 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है।

60 साल पहले बंद हुआ भारत और चीन के बीच का पुल, फिर खुलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

गढ़वाल हिमालय में उत्तरकाशी में सुरम्य नेलोंग घाटी में स्थित एक स्काईवॉक पुल, जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद बंद हो गया था, जल्द ही पर्यटकों के लिए खुलने वाला हैं। टीओआई की एक खबर के मुताबिक, यह पुल 150 साल पहले पेशावर से पठानों द्वारा निर्मित किया गया था। आपको बता दें कि यह पुल 11,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस पुल का ऐतिहासिक और सामरिक दोनों का महत्व है। भारत-चीन युद्ध के बाद से बंद यह पुल भारत और तिब्बत के बीच एक व्यापार मार्ग का हिस्सा था और यह नेलॉन्ग घाटी का शानदार दृश्य पेश करता है।

गंगोत्री नेशनल पार्क के रेंज अधिकारी प्रताप सिंह पवार ने टीओआई से बात करते हुए बताया कि, 'यह क्षेत्र वनस्पति और जीवों में समृद्ध है और हिम तेंदुए और हिमालयी नीली भेड़ जैसे दुर्लभ जानवरों का घर है।' यदि सब कुछ ठीक रहा, तो लाहौल-स्पीति जैसे पहाड़ी रेगिस्तानी परिदृश्य वाले क्षेत्र को जुलाई तक पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। 50/ बहाली का काम पूरा होने के बाद इस पुल को देखने के लिए विजिटर्स की संख्या की अनुमति, टिकट प्राइस और अन्य औपचारिकताओं को तय किया जाएगा। बता दें कि पीडब्ल्यूडी ने इस महीने की शुरुआत में ढांचे पर काम शुरू कर दिया है। दून स्थित विरासत कार्यकर्ता और मानवविज्ञानी लोकेश ओहरी, जिन्होंने 2019 में इस क्षेत्र का दौरा किया था, ने कहा कि पुल पहले भारत और तिब्बत के बीच सीमा पार व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग था। ÷यह ऊन, नमक, गुड़ और मसालों जैसे अन्य वस्तुओं के परिवहन के लिए सबसे पुराने व्यापारिक मार्गों में से एक था। उन्होंने कहा, इस तरह का व्यापार और उससे जुड़ी गतिविधियां उत्तरकाशी में भूटिया समुदाय के लिए आजीविका का स्रोत थीं। लोकेश ओहरी ने कहा कि पीडब्ल्यूडी को पुनर्गठन के दौरान पुल की विशिष्टता और मौलिकता को बनाए रखना चाहिए। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के संयुक्त निदेशक विवेक चौहान ने इस बीच टीओआई को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा कुछ समय पहले इसे इनरलाइन परमिट क्षेत्र से हटाने के बाद गर्तांग गली को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना शुरू की गई थी।आरएस खत्री, कार्यकारी अभियंता, पीडब्ल्यूडी से जब काम की तेजी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पुल की मरम्मत 64 लाख रुपये की लागत से की जा रही है और अनुमान है कि यह काम इस साल जून तक पूरा हो जाएगा।

पेट्रोल, डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने से पहले अधिनियम में मौजूद खामियों को दूर करें : मोइली

बेंगलुरु। पूर्व केंद्रीय तेल मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार को पेट्रोल और डीजल को 'जीएसटी' के दायरे में लाने पर विचार करने से पहले माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम में मौजूद खामियों को दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी के दायरे में पेट्रोल और डीजल को लाए जाने की स्थिति में राज्यों को होने वाले राजस्व के नुकसान की पर्याप्त रूप से भरपाई की जानी चाहिए। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कार्य प्रणाली, अनावश्यक कराधान और कर की दरों के संदर्भ में जीएसटी अधिनियम में मौजूद खामियों ने व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है, जिससे वे प्रताड़ित हो रहे हैं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है। मोइली ने पीटीआई-से कहा, ''पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने से पहले उन्हें पूरे जीएसटी अधिनियम की समीक्षा करनी होगी... जीएसटी अधिनियम को उपयुक्त रूप से नये सिरे से तर्कसंगत बनाना होगा और खामियों को दूर करना होगा।'' राज्यसभा में बुधवार को भाजपा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा था कि अगले आठ से 10 साल तक पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाना संभव नहीं है क्योंकि इससे राज्यों को राजस्व के तौर पर सालाना दो लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा। उन्होंने कहा था, 'पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का मुद्दा बार-बार उठाया जाता रहा है।

दस वर्षों में कोई विकास नहीं हुआ, ममता बंगाल को 19वीं सदी में ले गईं: राजनाथ

जॉयपुर (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ''बंगाल को 19वीं सदी में ले जाने और पिछले दस वर्षों में विकास का कोई काम नहीं करने'' के आरोप लगाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि टीएमसी सरकार ने अपने पूर्ववर्ती वाम मोर्चा की तरह राज्य के लोगों के साथ गलत किया है। पुरुलिया जिले में एक सभा के दौरान सिंह ने टीएमसी के 'खेला होबे' नारा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब बंगाल में केवल काम और विकास होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सुप्रीमो हिंसा और उग्रता को बढ़ाने वाले भाषण देती हैं। केंद्रीय मंत्री ने आश्चर्य जताया कि क्या मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों से आए लोगों को बाहरी बताकर ''देश को बांटना'' चाहती हैं। उन्होंने कहा कि क्या बंगाल के लोगों के लोगों के साथ दूसरे स्थानों पर बाहरी के तौर पर व्यवहार किया जाता है।

सिंह ने कहा कि भारतीय जनसंघ की

स्थापना बंगाल के बेटे श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी जो बाद में भाजपा बनी। उन्होंने कहा, ''क्या इस राज्य के किसी भाई को उत्तर प्रदेश में बाहरी माना जाएगा? भारत की धरती पर जन्मे सभी लोग एक-दूसरे के भाई हैं।'' उन्होंने दावा किया कि टीएमसी सरकार ने बंगाल के लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। सिंह ने कहा, ''यह कैसे संभव है कि एक पार्टी (भाजपा) के लोग बाहरी हैं जबकि बंगाल को बर्बाद करने वाले आप अंदर के व्यक्ति हैं। मुख्यमंत्री विकास कार्य करने के बजाए बेकार बातें करती हैं।'' सिंह ने कहा, ''राज्य में न तो मां, न ही माटी या मानुष खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।'' मां, माटी, मानुष का नारा टीएमसी ने 2009 के लोकसभा चुनावों में दिया था।

सिंह ने बनर्जी पर राज्य में जल संकट को खत्म करने का वादा पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। रक्षा मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 के अंत तक देश के हर घर में पाइप ससे जल आपूर्ति करने का वादा किया है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने कभी भी किसी राज्य के लोगों के साथ भेदभाव नहीं किया जैसा कि टीएमसी द्वारा अकसर आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''केंद्र की कांग्रेस नीत संप्रग सरकार ने बंगाल को 13वें वित्त आयोग में 1.32 लाख करोड़ रुपये दिए, जबकि मोदी सरकार ने 14वें वित्त आयोग के तहत राज्य को 4.48 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए थे।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा के 150 से अधिक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई और यह राज्य के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी है कि अपने राज्य के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

टीएमसी नेता शेख आलम का भड़काऊ बयान, भारत के मुसलमान बना सकते हैं 4 पाकिस्तान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

बंगाल चुनाव में एक दिन का समय शेष रह गया है कि लेकिन राजनीतिक बयानबाजी का दौर सभी दलों की ओर से जारी है। लेकिन इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता ने भड़काऊ बयान दिया है। टीएमसी नेता शेख आलम ने कहा कि अगर 30 प्रतिशत मुसलमान जमा हो जाएं तो देश में चार पाकिस्तान हो जाएंगे। पश्चिम बंगाल की बीरभूमि में टीएमसी नेता ने ये विवादित बयान दिया है।

बीजेपी नेता अमित मालवीय ने इससे जुड़ा वीडियो साझा किया। जिसमें टीएमसी नेता शेख आलम कहत हुए सुनाई पड़ रहे हैं कि वो लोग जो घटना यहां करके गए हैं, अगर हम चाहते तो अपने लड़कों को हुकुम देते और वो लोग साफ हो जाते। हम ममता बनर्जी के ऊपर विश्वास रखते हैं और उनके विश्वासपात्र हैं। उन्होंने कहा कि हम जो अल्पसंख्यक लोग 30 प्रतिशत है और वो 70 प्रतिशत है। अगर पूरे भारत में हम 30 प्रतिशत लोग इकट्ठा हो जाते हैं तो हम 4-4 पाकिस्तान बना सकते हैं। फिर कहां जाएंगे ये 70 प्रतिशत लोग?

बीजेपी ने साधा निशाना

पश्चिम बंगाल भाजपा के उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। शेख आलम मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने वाली संपत्ति है। ममता बनर्जी सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी करेंगी।

शुक्रवार को भारत बंद , रेल और सड़क परिवहन के प्रभावित होने की संभावना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश के कई हिस्सों में शुक्रवार को रेल और सड़क परिवहन के प्रभावित होने की संभावना है तथा बाजार भी बंद रह सकते हैं क्योंकि केंद्र के नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों ने संपूर्ण 'भारत बंद' का आह्वान किया है। हालांकि पांच चुनावी राज्यों में यह बंद नहीं होगा। संयुक्त किसान मोर्चे के अनुसार देशभर में राष्ट्रव्यापी बंद 26 मार्च को सुबह छह बजे से शुरू होगा और शाम छह बजे तक चलेगा जो दिल्ली की तीन सीमाओं-सिंघू, गाजीपुर और टीकरी पर किसान आंदोलन के चार महीने पूरे होने पर किया जा रहा है। वरिष्ठ किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि सड़क और रेल परिवहन को अवरुद्ध किया जाएगा तथा बाजार भी बंद रहेंगे।

मोर्चे ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में भी बंद किया जाएगा। राजेवाल ने कहा कि संगठित और असंगठित क्षेत्र से जुड़ी ट्रेड यूनियनों और परिवहन एवं अन्य संगठनों ने 'भारत बंद' के किसानों के आह्वान को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा, ''किसान विभिन्न स्थानों पर रेल पटरियों को अवरुद्ध करेंगे। भारत बंद के दौरान बाजार और

परिवहन सेवाएं बंद रहेंगी।'' राजेवाल ने कहा कि हालांकि एंबुलेंस और अग्निशमन जैसी आवश्यक सेवाओं को बंद के दौरान अनुमति होगी। वहीं, देश में आठ करोड़ व्यापारियों के प्रतिनिधित्व का दावा करनेवाली 'कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स' ने कहा कि 26 मार्च को बाजार खुले रहेंगे क्योंकि वह 'भारत बंद' में शामिल नहीं है।

संगठन के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, ''हम कल भारत बंद में शामिल नहीं हो रहे हैं। दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में बाजार खुले रहेंगे। जारी गतिरोध का समाधान केवल वार्ता प्रक्रिया से किया जा सकता है। कृषि कानूनों में संशोधन पर चर्चा होनी चाहिए जो मौजूदा कृषि को लाभ योग्य बना सकते हैं।'' किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि 'भारत बंद' का बड़ा प्रभाव हरियाणा और पंजाब में होगा। उन्होंने कहा कि चुनावी राज्यों- तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी के लोगों से बंद में शामिल न होने की अपील की गई है।

सिसोदिया बोले,...पीएम मोदी के विकल्प में हो सकते हैं अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार (संशोधन) विधेयक के राज्यसभा में पारित होने के बाद भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच जुबानी जंग लगातार जारी है। आज एक बार फिर से आम आदमी पार्टी की ओर से भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा गया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार ने कल जो बिल पास किया है, वो ये दिखाता है कि मोदी सरकार अ?रविंद केजरीवाल और उनके काम को लेकर किस तरह से असुरक्षित महसूस कर रही है। आज देश में लोग बात करने लगे हैं कि अरविंद केजरीवाल मोदी जी के विकल्प में हो सकते हैं।

न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल जी के काम को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बिल लाया गया है। पूरे देश में कहीं कोई मोदी या बीजेपी मॉडल की बात नहीं करता है, ये केजरीवाल मॉडल से घबरा रहे हैं। अच्छे कामों को रोकने के लिए आज मोदी जी नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी और भाजपा को अगर किसी से डर लगता है तो वह है अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी। उन्हें दिल्ली मॉडल से डर लगता है। आम आदमी पार्टी ने 5 राज्यों में चुनाव लड़ने का जो ऐलान किया है उससे भाजपा को डर लगता है। देश में नरेंद्र मोदी का विकल्प अरविंद केजरीवाल है।

भाजपा की सत्ता बरकरार रही तो मोदी और शाह के फैसले का पालन करूंगा: हिमंत

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

असम में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हिमंत बिस्वा सरमा ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पास 'लॉबिंग' करने से कुछ नहीं मिलने वाला है तथा वह इस बारे में पार्टी के इन दोनों शीर्ष नेताओं के किसी भी फैसले का पालन करेंगे। हिमंत ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी के सत्ता में बने रहने पर मौजूदा मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल, वह या किसी तीसरे व्यक्ति को राज्य की बागडोर थमाने के बारे में फैसला मोदी या शाह लेंगे। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा द्वारा अपना उम्मीदवार घोषित नहीं करने पर हिमंत को इस पद के लिए सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उन्होंने भगवा पार्टी नीत गठगंधन और कांग्रेस-एआईयूडीएफ गठजोड़ के बीच चुनावी मुकाबले को राज्य में असमिया एवं मियां संस्कृतियों के बीच सभ्यताओं के टकराव का हिस्सा बताया।

गौरतलब है कि असम में मियां बांग्ला भाषी मुसलमानों को कहा जाता है, जिनकी राज्य में विधानसभा की 30 से 40 विधानसभा क्षेत्रों में अच्छी खासी उपस्थिति हैं। हिमंत ने कहा कि शुरूआत में कांग्रेस और तत्कालीन ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन तथा असम गण परिषद ने इस अस्मिता की रक्षा करने के लिए लड़ाई लड़ी थी और भाजपा असम की स्थानीय संस्कृति की रक्षा करने के लिए लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने पीटीआई-से एक साक्षात्कार में कहा, ''एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरूद्दीन अजमल सभ्यताओं के टकराव के प्रतीक हैं। 1930 के दशक में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच संघर्ष के दिनों से यह लड़ाई चल रही है और असम के लोगों को अपने जीवन-यापन की गुंजाइश को बनाए रखना होगा, अन्यथा उनके पास कुछ नहीं बचेगा।'' मुख्यमंत्री पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं घोषित करने के भाजपा के फैसले के बारे में पूछे जाने पर हिमंत ने कहा कि इस बारे में सिर्फ केंद्रीय नेतृत्व ही सवालों का जवाब दे सकता है।

भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने यह घोषणा की थी कि वह इस शीर्ष पद (मुख्यमंत्री का) पर उनकी नजरें टिकी होने के बारे में किसी भी भ्रम को दूर करने केलिए विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन उन्होंने अपना फैसला बदल लिया क्योंकि पार्टी ने उनसे ऐसा करने को कहा था। मुख्यमंत्री पद की उनकी महत्वाकांक्षा के बारे में पूछे जाने पर हिमंत ने कहा, ''यदि मेरी कोई महत्वाकांक्षा भी हो तो उससे क्या फर्क पड़ता है। यदि प्रधानमंत्री और अमित भाई फैसला करते हैं कि मैं (मुख्यमंत्री) नहीं बनूंगा तो क्या मैं बन सकता हूं? आप उन चीजों के बारे में नहीं सोच सकते जिनसे कोई फायदा नहीं होने वाला। आखिरकार, मुझे प्रधानमंत्री और अमित भाई के फैसले का पालन करना होगा। वे जो कुछ भी कहेंगे, उस पर सवाल किये बगैर मुझे उसका पालन करना होगा। इसलिए मैं इस बारे में क्यों सोचूं।''

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री और अमित भाई के पास कोई 'लॉबिंग' करने से कुछ नहीं मिलने वाला है। वे हर किसी को जानते हैं और उनके पास हर किसी का भविष्य फल है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)